केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :49 अंक 102 मंगलवार 3 नवम्बर 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

चोरी की मोटर साईकिल नेपाल भेजने वाला गिरफ्तार



–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । शहर और आसपास के इलाकों से मोटरसाइकिल चोरी कर नेपाल में बेचने वाले युवक को कोतवाली पुलिस, एसओजी और एंटी थेफ्ट टीम ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे और निशानदेही पर चोरी की तीन मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। आरोपी की पहचान सुदीप कुमार यादव (24) निवासी तुर्कवलिया, थाना पीपीगंज, गोरखपुर के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी के खिलाफ गोरखपुर और बस्ती में चोरी समेत अन्य धाराओं में पांच मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार, एक नवंबर की रात कोतवाली पुलिस गश्त कर रही थी। इसी दौरान एक संदिग्ध बाइक सवार को रोककर पूछताछ की गई। बाइक और युवक की गतिविधियां संदिग्ध लगने पर जांच शुरू की गई। पूछताछ में आरोपी ने दो अन्य मोटरसाइकिलें झाड़ियों में छिपाकर रखने की जानकारी दी।

पुलिस टीम ने आरोपी की निशानदेही पर अमहट सर्विस रोड के पास झाड़ियों से दो और मोटरसाइकिलें बरामद कीं। तीनों में एक स्प्लेंडर प्लस और दो बजाज पल्सर शामिल हैं। दोनों पल्सर लाल और काले रंग की हैं। इन पर नंबर प्लेट नहीं लगी थी। पुलिस ने ई–चालान ऐप के जरिए चेचिस नंबर की जांच कर वाहनों की जानकारी जुटाई।

पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह शहर और आसपास के इलाकों से मोटरसाइकिलें चोरी कर नेपाल ले जाकर बेचता था। पुलिस ने कोतवाली में दर्ज वाहन चोरी के दो मुकदमों में बरामदगी के आधार पर बीएनएस की धारा 317(2) बढ़ाई है। आरोपी को न्यायालय भेज दिया गया।

कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक बृजनंद सिंह, एसओजी प्रभारी विकास यादव, एंटी थेफ्ट टीम प्रभारी भानु प्रताप सिंह समेत कोतवाली, एसओजी और एंटी थेफ्ट टीम के पुलिसकर्मी शामिल रहे।

सातवें श्रीरामलीला महोत्सव के लिये निकली शोभा यात्रा



–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। हिन्दुस्तान टीम। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जीवन चरित्र को जन–जन तक पहुंचाने और सनातन संस्कृति के प्रति जागरूकता के उद्देश्य से सनातन धर्म संस्था, बस्ती स्तर से लगातार सातवें वर्ष श्रीरामलीला महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। महोत्सव के प्रचार–प्रसार व जनजागरण के लिए सोमवार दो नवंबर को नगर में भव्य जनजागरण शोभायात्रा निकली। संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि शोभायात्रा का शुभारंभ श्रीकृष्ण मुरारी पांडेय इंटर कॉलेज परिसर से किया गया। शोभायात्रा वहां से रोडवेज, गांधीनगर, कंपनीबाग, कचहरी के रास्ते होते हुए श्री शिवमंदिर, अमहट पर पहुंचकर जाएगी। शोभायात्रा में भगवान श्रीराम, जगत जननी माता सीता, लक्ष्मण और संकटमोचन हनुमान जी के जीवंत स्वरूपों की मनोहारी झांकी विशेष आकर्षण रही।

इसके साथ ही बैंड–बाजे, ध्वज–पताकाओं और जय श्रीराम के उद्घोष के साथ पूरा नगर राममय हो गया। संस्था ने नगर के सभी धर्मप्रेमी बंधुओं, श्रीराम भक्तों, माताओं–बहनों, युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में शोभायात्रा में शामिल होकर इसे सफल बनाने की अपील की गई थी। सनातन धर्म संस्था स्तर से श्रीरामलीला महोत्सव इस वर्ष 12 नवंबर से गोविन्द राम सक्सेरिया इंटर कॉलेज, गांधीनगर–बस्ती के प्रांगण में आयोजित किया जा रहा है।

दिल्ली पुलिस हेडक्वार्टर मेन गेट के बाहर मांगों को लेकर पुलिस कर्मियों ने किया प्रदर्शन

नई दिल्ली (आभा)। दिल्ली पुलिस हेडक्वार्टर के मेन गेट के बाहर सोमवार को एक अलग ही नजारा देखने को मिला। यहां कुछ पुलिसकर्मी तख्ती और पोस्टर हाथों में लिए प्रदर्शन कर रहे थे। इस दौरान पुलिसकर्मियों को अपने ही स्टाफ को रोकने के लिए मोर्चा संभालना पड़ा। नारे लगाते अपने ही साथियों को रोकना पुलिसकर्मियों के लिए किसी चुनौती जैसा नजर आ रहा था।

प्रदर्शन की वजह शाहदरा थाने में पुलिस और वकीलों के बीच हुई झड़प के बाद दो पुलिस अधिकारियों के ट्रांसफर के मुद्दे पर है। विवाद 23 अक्टूबर को थाने में पुलिस और वकीलों के बीच हुई हाथापाई से शुरू हुआ, जिसमें एक वकील सिर में गंभीर चोट लगने से घायल हो गए थे। घटना के बाद वकीलों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल का ऐलान किया था। विरोध को देखते हुए 28 अक्टूबर को सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) मनस्वी वशिष्ठ और शाहदरा के थाना प्रभारी (एसएचओ) रहे अरुण कुमार का ट्रांसफर ऑर्डर जारी कर दिया गया। मनस्वी का ट्रांसफर



महिलाओं और बच्चों से जुड़ी स्पेशल पुलिस यूनिट में तो अरुण कुमार का ट्रांसफर सिक्योरिटी यूनिट में कर दिया गया। मनस्वी वशिष्ठ भी प्रदर्शन कर रहे पुलिस अधिकारियों के साथ खड़े थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों से निपटने के लिए एक एसओपी (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसिजर) होना चाहिए। अगर हमारे साथ ही ऐसा होगा तो हम शहर के लोगों की हिफाजत कैसे करेंगे। प्रदर्शन के बीच सुबह करीब साढ़े 11 बजे वशिष्ठ और अन्य पुलिस अधिकारियों को उनकी मांगों को सुनने के लिए और कमिश्नर से मिलने के लिए पुलिस हेडक्वार्टर के अंदर बुलाया गया था। पिछले हफ्ते हड़ताल पर रहे वकीलों ने आरोप लगाया था कि एसीपी और एसएचओ ने उन वकीलों को धमकाया जो बंसल के साथ मारपीट के मामले में आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग लेकर पुलिस स्टेशन पहुंचे थे। इस बीच पुलिस के प्रदर्शन को लेकर कॉन्फ्रेंस जनता पार्टी (सीजेपी) के सह–संयोजक और राष्ट्रीय प्रवक्ता सौरव दास और लीगल हेड रत्ना सिंह ने तंज कसा है। सौरव दास ने जहां पीस बॉन्ड का जिक्र किया है तो वहीं रत्ना सिंह ने हिरासत के जरिए चुटकी ली है।

सौरव दास ने एक्स पर कहा है कि श्या इन पुलिसकर्मियों को शांति भंग करने के लिए पीस बॉन्ड पर साइन करने के लिए मजबूर किया जाएगा?' सौरव दास ने इसके साथ ही एक अन्य पोस्ट में दिल्ली पुलिसकर्मियों के प्रोटेस्ट का वीडियो शेयर करते हुए तंज कसते हुए लिखा 'अभूतपूर्व दृश्य!'वहीं रत्ना सिंह ने एक्स पर कहा कि 'देखते हैं कि क्या दिल्ली पुलिस, पुलिस स्टेशन के बाहर प्रदर्शन करने वाले अपने ही अधिकारियों को हिरासत में लेगी और फिर उन्हें छोड़ने के लिए गारंटी मांगेगी।' रत्ना सिंह ने एक्स पर ही एक अन्य पोस्ट में कहा 'विरोध–प्रदर्शन का सीजन।'

सुप्रीम कोर्ट को यूपी सरकार ने बताया कहा गया श्रीराम मंदिर चढ़ावे का धन

नई दिल्ली (आभा)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उत्तर प्रदेश सरकार के उस बयान पर संज्ञान लिया कि अयोध्या राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी के मामले में जांच के लिए गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने आरोपपत्र दाखिल कर दिया है। अदालत ने याचिकाओं का निपटारा करते हुए कहा कि स्थानीय अदालत मामले में सुनवाई आगे बढ़ाएगी। यूपी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि चढ़ावा गिनने के दौरान चोरी हुई थी। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि जो लोग पैसा लेकर गए हैं वे या तो इसे बैंक में जमा कर रहे हैं या फिर संपत्ति खरीद रहे हैं।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि जूडिशल मजिस्ट्रेट की अदालत में चार्जशीट फाइल कर दी गई है। सप्रीम कोर्ट ने कहा है कि याचिकाकर्ताओं से कहा है कि अयोध्या की स्थानीय अदालत में सुनवाई में सहयोग करें।



उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ को बताया कि एसआईटी की जांच में पता चला है कि मंदिर में चढ़ावे की रकम की गिनती के दौरान यह चोरी हुई थी।

मेहता ने बताया कि कुछ आरोपियों ने इस रकम से संपत्ति खरीदी है जबकि अन्य ने चोरी की राशि को बैंकों में जमा कर रखा है। पीठ ने सरकार के इन बयानों को रिकॉर्ड पर लिया और चढ़ावा चोरी की स्वतंत्र जांच का अनुरोध करते हुए शीर्ष अदालत पहुंचे याचिकाकर्ताओं को राम मंदिर निधि गबन मामले की सुनवाई के दौरान अयोध्या की स्थानीय अदालत की सहायता करने की अनुमति दे दी।

कोर्ट ने याचिकाओं का निपटारा करते हुए कहा कि उसने राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले के गुण–दोष पर कोई राय व्यक्त नहीं की है। सुप्रीम कोर्ट ने, मुख्य अयोध्या विवाद मामले में सुनाए गए फैसले के अनुसार राम मंदिर का निर्माण उसी जमीन पर हुआ है या नहीं, यह तय करने के अनुरोध वाली नयी याचिका पर विचार करने से भी इनकार कर दिया।

डायट में आनंदम, अरुणोदय मॉड्यूल का प्रशिक्षण शुरू



–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। स्कूलों में पढ़ाई के साथ रचनात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देने और सुबह की प्रार्थना सभा को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से सोमवार को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में दो दिवसीय प्रशिक्षण शुरू हुआ। इसमें बेगलेस डे मॉड्यूल 'आनंदम' और मॉर्निंग असेम्बली मॉड्यूल 'अरुणोदय' के जरिए शिक्षकों को नई गतिविधियों और उनके व्यावहारिक इस्तेमाल की जानकारी दी जा रही है।प्रशिक्षण का उद्घाटन डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल और वरिष्ठ प्रवक्ता महेंद्र नाथ त्रिपाठी ने किया। उन्होंने प्रशिक्षण के उद्देश्यों को विद्यालयों में प्रभावी ढंग से लागू करने पर जोर दिया। नोडल प्रवक्ता शशि दर्शन त्रिपाठी प्रशिक्षण का संचालन कर रहे हैं, जबकि प्रशिक्षण प्रभारी डॉ. रविनाथ त्रिपाठी हैं। 'आनंदम' मॉड्यूल के तहत विद्यार्थियों को बैगलेस डे पर खेल, कला, स्थानीय कौशल और अन्य रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने की जानकारी दी जा रही है। वहीं श्अरुणोदयश् मॉड्यूल के माध्यम से प्रार्थना सभा को केवल औपचारिक आयोजन न रखकर विद्यार्थियों के ज्ञान, आत्मविश्वास, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास का माध्यम बनाने के तरीकों पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण में सहयोगी प्रवक्ताओं डॉ. गोविन्द, अलीउद्दीन, वंदना, वर्षा पटेल, सरिता चौधरी, कुलदीप चौधरी और इमरान खान की भूमिका है।

लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ पद यात्रा के लिये भाजपा ने सौंपी जिम्मेदारी



–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। भारतीय जनता पार्टी कार्यालय पर जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र की अध्यक्षता में एक बैठक संपन्न हुई। बैठक में आगामी 4 नवम्बर को गोरखपुर क्षेत्र में राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के नेतृत्व में आयोजित होने वाली 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के अंतर्गत पदयात्रा की तैयारियों एवं रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा की गई।

जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र ने बताया कि यह पदयात्रा 4 नवम्बर को प्रातः 11 बजे महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज से प्रारंभ होकर गोलघर होते हुए काली मंदिर पर पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि बस्ती जिले से विधायक, नगर पालिका एवं नगर पंचायत अध्यक्ष, ब्लॉक प्रमुख, जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष एवं भारी संख्या में कार्यकर्ता इस पदयात्रा में सहभागिता करेंगे।

कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं के पहुंचने एवं कार्यक्रम के सफल व सुचारु संचालन के लिए संयोजक जिला उपाध्यक्ष प्रत्युष विक्रम सिंह, सह–संयोजक जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र गौतम एवं जिला मंत्री राकेश शर्मा को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इस अवसर पर मुख्य रूप से गजेंद्र सिंह, अमृत कुमार वर्मा जिला महामंत्री, प्रेम प्रकाश चौधरी, जिला मीडिया प्रभारी अजय पाल सिंह, प्रदीप निषाद,दिव्यांशु दुबे, विकास बरनवाल, पंकज मिश्रा सहित कई अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दीपावली, लक्ष्मी पूजा, छठ पर्व के लिये दिशा निर्देश जारी, हरित पटाखों के प्रयोग पर जोर



–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । उत्तर प्रदेश शासन और जिला प्रशासन बस्ती द्वारा दीपावली, छठ पूजा और माता लक्ष्मी जी की प्रतिमाओं के विसर्जन के दृष्टिगत सुरक्षा, शांति और सुगम व्यवस्था के लिए व्यापक दिशा–निर्देश (गाइडलाइंस) जारी किया गया है। उक्त जानकारी देते हुए अपर जिलाधिकारी ज्ञान चन्द्र गुप्ता ने बताया है कि दीपावली एवं लक्ष्मी पूजा में सुरक्षा के दृष्टिगत पटाखों की बिक्री व उपयोग केवल वैध लाइसेंस धारक दुकानदारों से ही नियत स्थानों से पटाखे खरीदें।

उन्होंने बताया कि आम जनमानस पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए केवल निर्धारित समय और हरित पटाखों का ही प्रयोग करें। प्रतिबंधित या उच्च ध्वनि वाले पटाखों का प्रयोग न करें। ढीले–ढाले कपड़े पहन कर पटाखें न फोड़े। पटाखे फोड़ते समय अपने आस–पास बालू एवं पानी की बाल्टी की व्यवस्था रखें।

उन्होने बताया कि अग्निशामक व विद्युत सुरक्षा–बाजारों, दुकानों और घरों में दीये व विद्युत प्रकाश व्यवस्था करते समय शॉर्ट सर्किट से बचाव के पुख्ता इंतजाम रखें। दमकल विभाग को किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए अलर्ट मोड पर रखा गया है। किसी भी प्रकार की आपातकाल स्थिति में आपातकाल फायर सर्विस 101 पर कॉल कर अवगत करायें।

उन्होने बताया कि बस्ती शहर के प्रमुख बाजारों में त्योहारों के दृष्टिगत भीड़ को नियंत्रित करने और जाम से बचने के लिए भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक है तथा यातायात विभाग द्वारा रूट डायवर्जन भी किया गया है, जिसका अनुपालन करें। वाहन निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही खड़े करें।

उन्होने बताया कि निर्धारित विसर्जन स्थल पर प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए प्रमुख रूप से अमहट घाट व अन्य चिन्हित जल स्रोतों पर प्रशासनिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गयी हैं। विसर्जन केवल प्रशासन द्वारा निर्धारित मार्गों और स्थलों पर ही किया जाए। सीसीटीवी और सुरक्षा निगरानी विसर्जन मार्गों और प्रमुख घाटों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम के तहत सीसीटीवी कैमरों से निगरानी रखी जा रही है। गोताखोरों, नाविकों और पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गयी है। मूर्तियों के विसर्जन से पहले उन पर चढ़ा प्लास्टिक, थर्मोकोल, नायलॉन और रासायनिक पूजन सामग्री को अलग कर लें, ताकि नदियों और जलाशयों में प्रदूषण न फैले। बताया कि घाटों की सफाई और बैरिकेडिंग छठ महापर्व के दौरान व्रतियों की सुविधा के लिए जिले के सभी प्रमुख तालाबों, पोखरों और नदी घाटों की साफ–सफाई, प्रकाश व्यवस्था, अस्थायी शौचालयों आदि की व्यवस्था की गयी है। गहरे पानी वाले संवेदनशील स्थलों पर बांस अथवा लोहें की बैरिकेडिंग की जाएगी ताकि कोई दुर्घटना न हो। व्रतियों की सुरक्षा के लिए घाटों पर पुलिस बल के साथ–साथ आपदा मित्रों, गोताखोरों और सुरक्षा टीमों की तैनाती की गयी है। घाटों पर आम जनमानस के लिए तैराकी पूरी तरह प्रतिबंधित है। अर्घ्य के दौरान पूजा सामग्री को इधर–उधर न फेंककर निर्धारित कूड़ेदानों में ही डाले ताकि पवित्रता बनी रहे।

उन्होने जनपदवासियों से अपील किया है कि सभी पर्व आपसी सौहार्द, शांति और भाईचारे के साथ मनाएं। सोशल मीडिया पर किसी भी तरह की भ्रामक या आपत्तिजनक अफवाहों पर ध्यान न दें। यदि कोई व्यक्ति माहौल बिगाड़ने की कोशिश करता है, तो इसकी सूचना तुरंत नजदीकी पुलिस स्टेशन या डायल 112 पर दें।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। सोमवार को सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन ने कलेक्ट्रेट पर धरना प्रदर्शन कर जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। इससे पहले कलेक्ट्रेट परिसर मे जनसभा का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष नरेन्द्र बहादुर उपाध्याय एवं संचालन जिला मंत्री उदय प्रताप पाल ने की।

जिलाध्यक्ष ने अपने सम्बोधन मे कहा कि 30 सितम्बर के बाद सरकार ने पेंशनरों का चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति का बिल आफलाइन लेना बंद कर दिया है। इससे पेंशनरों को काफी परेशानी हो रही है। बुजुर्गों को साइबर कैफे का चक्कर लगाना पड़ रहा है फिर भी एक बार मे आवेदन नही हो पा रहा है। दूर दराज तथा गांव के रहने वालें पेंशनर के लिये आनलाइन आवेदन करना बेहद कठिन हो गया है। नये नियम से बुजुर्गो का इलाज प्रभावित हो रहा है। उन्होने कहा पेंशनर्स सलाहकार समिति के अध्यक्ष एवं अपर मृत्यु सचिव वित्त ने एसोसिएशन के प्रान्तीय अध्यक्ष अमरनाथ यादव को आध्वासन दिया था कि



पेंशनरों की समस्याओं को देखते हुये चिकित्सा प्रतिपूर्ति का बिल आफलाइन लिये जाने पर विचार किया जायेगा।

इसके बावजूद चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति का आवेदन आनलाइन कर दिया गया। इसे आफलाइन स्वीकार किये जाने की मांग को लेकर प्रदेश नेतृत्व के अवाहन पर आज प्रदेश के सभी जनपद मुख्यालयों पर धरना प्रदर्शन का आयोजन कर मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा गया। जिला मंत्री उदय प्रताप पाल ने कहा कि चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति हेतु आवेदन की प्रक्रिया आनलाइन होने के साथ साथ आफलाइन भी स्वीकार करने की सुविधा प्रदान की जाये। जो सक्षम होंगे वे आनलाइन आवेदन करेंगे और जो अक्षम होंगे वे आफलाइन सुविधा का लाभ उठायेंगे। जब तक ऐसा नही होगा आन्दोलन जारी रहेगा। एसोसिएशन के जिला उपाध्यक्ष अशोक कुमार मिश्र न भी आफलाइन आवेदन स्वीकार करने की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होने विधायकों व विधान परिषद सदस्यों के लिये आफलाइन व्यवस्था पर सवाल उठाया।

ज्ञापन सौंपने वालों में किशोरी लाल विशुनचन्द्र श्रीवास्तव, राजेश श्रीवास्तव, इंजी. रामचन्द्र शुक्ल, इंजी. देवीसहाय शुक्ल, चन्द्रप्रकाश पाण्डेय, श्यामधर सोनी, प्रेमशंकर लाल श्रीवास्तव, भानुप्रताप सिंह, उमेश चन्द्र श्रीवास्तव आदि ने भी सभा को सम्बोधित किया। उपरोक्त अवसर पर सुरेशचंद्र दूबे, सुरेन्द्रनाथ तिवारी, सुरेन्द्र नाथ उपाध्याय, रामकुमार पाल, रामकुमार लाल श्रीवास्तव, दिनेश चन्द्र पाण्डेय, देवनरायन प्रजापति, श्रीगोपाल त्रिपाठी, छोटेलाल यादव, अंगीरा प्रसाद, सुरेश चन्द्र तिवारी, अमरजीत सिंह, ओमप्रकाश सिंह, संतकुमार नंदन, भगवान सिंह, राकेश सिंह, बुद्धिसागर पाण्डेय, ओमप्रकाश मिश्र, दिलीप कुमार श्रीवास्तव, जोखू यादव, प्रेमप्रकाश मिश्र, इस्लाम अंसारी, केपी दूबे, साधूशरण शुक्ल, हरिश्चन्द्र शुक्ल, उमेशचन्द्र श्रीवास्तव, पेशकार मिश्र, विजय प्रताप सिंह, योगेन्द्रनाथ यादव, सुभाष चन्द्र श्रीवास्तव, शिवकुमार उपाध्याय, ओंकार सिंह, ओमप्रकाश पाण्डेय, मो. युसुफ, सतीश चन्द्र श्रीवास्तव, सूर्यकान्त मणि त्रिपाठी, मो. कमाल, मिश्रीलाल, लोकमान्य पाण्डेय, कमलनयन उपाध्याय, पुजारी सिंह, मो. सिद्धीक, धर्मप्रकाश उपाध्याय, इंजी. हरिश्चन्द्र वर्मा, यशोदानंद यादव, राणा संग्राम सिंह, राममिलन चौधरी, राजदेव यादव, जगप्रसाद त्रिपाठी, घनश्याम गुप्ता आदि मौजूद रहे।

रोजगार मेले में 1022 युवाओं को मिला नियुक्ति पत्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय एवं चन्द्रगुप्त मौर्य प्रभावंश महिला महाविद्यालय बनकटी के संयुक्त तत्वावधान मे महाविद्यालय परिसर मे वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया गया। इसमे कुल 18 कम्पनियों के प्रतिनिधि साक्षात्कार हेतु पहुंचे। कुल 1960 रिक्त पदों के लिये 1,500 अभ्यर्थी साक्षात्कार देने पहुचे जिनमे 1022 को विभिन्न कम्पनियों ने ज्वाइनिंग के लिये नियुक्ति पत्र दिया। पूर्व विधायक, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रवि सोनकर, जगदीश प्रसाद शुक्ला, सहायक निदेशक सेवायोजन चन्द्रकान्त सिंह, जिला सेवायोजन अधिकारी अवधेन्द्र वर्मा, महाविद्यालय की डायरेक्टर डा. नीलम मौर्य, प्राचार्य डा. अनीता मौर्य, श्रीमती सरोज मौर्य तथा प्रबंधक डा. अनिल कुमार मौर्य ने सरस्वती के सम्मुख दीप जलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। मुख्य अतिथि ने अपने सम्बोधन मे कहा कि उ.प्र. सरकार की मंशा के अनुसार हर हाथ को रोजगार मुहैया कराने का प्रयास निरन्तर जारी है। निजी क्षेत्र की अनेक कम्पनियों ने उ.प्र. सरकार से प्रेरित होकर बेरोजगारों के लिये दरवाजा खोल दिया है।



लाखों युवाओं को इसका प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त हो रहा है। उन्होने सेवायोजन कार्यालय तथा महाविद्यालय के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन रविचन्द्र पाण्डेय ने किया।

कार्यक्रम को समाजसेवी जगदीश प्रसाद शुक्ला, ब्लाक प्रमुख रामायण सिंह, अंकित पाण्डेय आदि ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर सहा. सेवायोजन अधिकारी श्रीमती अंजली शर्मा, सतीश शंकर मौर्य, पंकज श्रीवास्तव, प्रमोद कुमार, डा. सुनील कुमार गौतम, दीपांशु विश्वकर्मा, विवेक सिंह, पंकज, राजदेव भारती, भानुपताप, नीतेश गौतम, दीप नारायण, उत्कर्ष चौधरी, रोशनी, खुशी गौतम, माधुरी गौतम, स्मिता प्रजापति, चन्दन, रूपाली, वन्दना सहित 1022 अभ्यर्थियों का चयन होने के उपरान्त उन्हे नियुक्ति पत्र सौंपा गया।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 3 नवम्बर 2026 मंगलवार

सम्पादकीय

डिजिटल डकैती और बैंक

देश की अर्थव्यवस्था को डिजिटल बनाने के लिए हर स्तर पर व्यापक प्रयास किए जा रहे हैं। इसी का नतीजा है कि आनलाइन माध्यम से धन के लेन–देन में तेजी से विस्तार हो रहा है। आज लोग घर बैठे पैसे भेजने, बिल का भुगतान, खरीदारी और बैंकिंग जैसी सेवाओं के लिए विभिन्न डिजिटल मंचों का इस्तेमाल करते हैं।

इंटरनेट बैंकिंग ने निश्चित तौर पर आर्थिक गतिविधियों को सुविधाजनक बनाया है, मगर इसके जोखिमों का दायरा जिस तरह फैलता जा रहा है, वह गंभीर चिंता का विषय है। साइबर अपराधी नए–नए तरीके अपनाकर लोगों की मेहनत की कमाई को एक झटके में उड़ा ले जाते हैं।

इस तरह की वारदात का अफसोसनाक पहलू यह है कि इसमें बैंकों की कोई जवाबदेही नहीं रहती है, भले ही तकनीकी तौर पर उनकी खामियां भी इसके लिए जिम्मेदार हों। इसी चिंता को रेखांकित करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने बीते गुरुवार को स्पष्ट कहा कि डिजिटल धोखाधड़ी के मामलों में यदि किसी वित्तीय संस्थान की उचित जांच–पड़ताल में नाकामी के कारण अपराध हुआ है, तो पीड़ितों को कम–से–कम गंवाई गई रकम के बराबर मुआवजा मिलना चाहिए।

डिजिटल धोखाधड़ी का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि साइबर अपराधी लोगों की तकनीकी जानकारी की कमी और उनके विश्वास का फायदा उठाते हैं। कभी बैंक अधिकारी बनकर फोन किया जाता है, तो कभी केवाईसी अपडेट करने, बिजली का कनेक्शन काटने या किसी सरकारी योजना का लाभ दिलाने के नाम पर लोगों को जाल में फंसाया जाता है।

फर्जी लिंक, नकली वेबसाइट, सोशल मीडिया संदेश और मोबाइल एप के माध्यम से भी ठगी की जाती है। कई बार तो किसी जांच एजेंसी के नकली अधिकारी बनकर लोगों को 'डिजिटल अरेस्ट' करके धन की उगाही कर ली जाती है। शीर्ष अदालत ने इसे 'डिजिटल डकैती' बताते हुए कहा है कि ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।

अदालत का इस बात पर हैरानी जताना भी उचित है कि व्यापक जागरूकता अभियान चलाने के दावों के बावजूद पढ़े–लिखे लोग इस तरह की साइबर धोखाधड़ी का शिकार कैसे हो रहे हैं! इससे सरकार के दावों और हकीकत के बीच अंतर का पता चलता है। इसे सरकार की नीतिगत विफलता ही माना जाएगा कि एक तरफ लोगों को डिजिटल भुगतान के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित किया जा रहा है, दूसरी ओर इसके तकनीकी जोखिमों से निपटने के लिए न तो व्यवस्था के स्तर पर प्रभावी उपाय नजर आते हैं और न ही आम लोगों की डिजिटल साक्षरता को लेकर गंभीरता दिखाई देती है।

यहां तक कि बैंकों जैसी वित्तीय संस्थाओं की जवाबदेही तय करने की जरूरत भी महसूस नहीं की गई है। यही वजह है कि सर्वोच्च न्यायालय को कहना पड़ा कि भारतीय रिजर्व बैंक के प्रस्तावित नियामकीय ढांचे में साइबर धोखाधड़ी की रोकथाम, मुआवजे और वित्तीय संस्थानों की जवाबदेही के स्पष्ट प्रावधान होने चाहिए। जाहिर है, बैंकों की भूमिका केवल डिजिटल सेवाएं उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं हो सकती।

उन्हें संदिग्ध लेन–देन की पहचान करने वाली प्रणालियों को मजबूत करने के साथ ही असामान्य गतिविधियों पर तुरंत चेतावनी और ग्राहकों की शिकायतों का जल्द निपटारा भी सुनिश्चित करना चाहिए। इसमें दोराय नहीं कि डिजिटल तकनीक ने देश में आर्थिक गतिविधियों को गति दी है, लेकिन इसका सुरक्षित होना भी उतना ही आवश्यक है।

क्रांति और विरोध के समय में ...!

दुनिया भर में मौसम इन दिनों क्रांति और विरोध का चल रहा है। कारण हर जगह एक ही है– लोग तंग आ चुके हैं अपने राजनेताओं की नाकामियों से और उनके झूठे वादों से। तो क्या अपने देश में भी कुछ यही हो रहा है या कुछ अलग? मेरा मानना है कि अपने भारत महान में कुछ अलग हो रहा है। ऐसा नहीं है कि हमारे युवा परिवर्तन की मांग नहीं कर रहे हैं। मगर पिछले सप्ताह, जब भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर उतरकर मांग की लोकतंत्र को बहाल रखने की और अराजकता को समाप्त करने की, तो मामला बदल–सा गया।

ऐसा लगने लगा है अब, जैसे भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के बीच एक स्पर्धा शुरू हो गई है जिसका मकसद एक ही है, और वह है एक–दूसरे को नीचा दिखाना। ऐसा भी लगने लगा है कि भाजपाई इस स्पर्धा में भाग लेने लगे हैं इसलिए कि उनको शक है कि बेजान विपक्ष में एक नई ऊर्जा पैदा हुई है जबसे राहुल गांधी ने सर्वोच्च न्यायालय तक शक्ति प्रदर्शन किया और इसके समर्थन में हजारों लोग दिल्ली की सड़कों पर उतर आए थे। तो क्या इंडिया गठबंधन के दलों को आम लोग पहले से ज्यादा पसंद करने लगे हैं?

हो सकता है कि रामलीला मैदान में सभा करने का फैसला कांग्रेस ने पहले से लिया हो, लेकिन लगता है कि उम्मीद से ज्यादा समर्थन देखने के बाद ही राहुल गांधी ने तय किया बहुत बड़ी सभा करने का, ताकि बौखलाई हुई मोदी सरकार थोड़ी और बौखलाए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल का यह तीसरा वर्ष है, जो अक्सर बुरा गुजरता है राजनेताओं के लिए। इंदिरा गांधी के साथ भी ऐसा ही हुआ था और विरोध इतना फैलता गया उस समय इंदिरा गांधी के खिलाफ कि उन्हें आपातकाल लगाना पड़ा था, आम चुनावों को टालने के लिए। मगर ऐसा करके उन्होंने कांग्रेस की छवि इतनी खराब कर दी कि जब चुनाव हुए तो न वह अपनी रायबरेली की सीट बचा सकीं और न उनका बेटा संजय गांधी अपनी अमेठी वाली सीट बचा सके। माना कि जनता दल की सरकार सिर्फ दो साल टिक सकी थी, लेकिन कम से कम यह तय हुआ कि कांग्रेस के बिना भी केंद्र में सरकार बन सकती है।

फिर भी एक दशक और राज रहा कांग्रेस का और जब अटल बिहारी वाजपेयी पहली बार प्रधानमंत्री बने, तो उनकी सरकार तेरह दिन भी नहीं टिक सकी। दोबारा जब प्रधानमंत्री बने, तो उनकी सरकार को गिराया सोनिया गांधी ने ऐसी चाल चलकर जिसको राजनीति के जानकार उनकी सबसे बड़ी गलती मानते हैं आज भी। मुलायम सिंह पर भरोसा करके सोनिया गांधी गईं राष्ट्रपति भवन यह दावा करने कि उन्हें समर्थन मिल रहा है 272 सांसदों का, लेकिन ऐसा न हुआ और चुनाव फिर हुए अगले साल जिसमें वाजपेयी को बहुमत तो नहीं मिला, लेकिन इतनी सीटें जरूर मिलीं कि वे अपना कार्यकाल पूरा कर सकें। इस इतिहास को ध्यान में रखकर वर्तमान को अगर आप देखेंगे, तो दिखेगा शायद कि नरेंद्र मोदी के भी अब बुरे दिन शुरू हो गए हैं, चाहे शक्ति प्रदर्शन जितने भी हों उनके समर्थन में। इसका मतलब यह नहीं है कि अब राहुल गांधी के प्रधानमंत्री बनने के आसार दिखने लग गए हैं, लेकिन इतना जरूर साबित हुआ है कि मोदी सरकार अब उन्हें एक काबिल प्रतिद्वंद्वी के रूप में देखने लग गई है।

मंहगे इलाज की गिरफ्त में मरीज



सुरेश सेठ–



गरीब मरीजों के पास मोल–भाव की क्षमता नहीं होती। इसलिए हर दवा को जेनेरिक बनाने, आवश्यक दवाओं की कीमतों पर प्रभावी सीमा तय करने और मरीजों को सस्ती चिकित्सा उपलब्ध कराने पर विचार होना चाहिए।

आजादी के बाद देश ने चिकित्सा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। निजी क्षेत्र की कई पांच सितारा अस्पताल शृंखलाएं विश्व के सर्वोत्तम चिकित्सा मानकों का मुकाबला करने में सक्षम हैं। तभी विदेशों में समय पर और त्वरित चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध न होने के कारण विदेशी रोगी भी भारत में इलाज कराने के लिए आ रहे हैं। अब चिकित्सा पर्यटन के क्षेत्र में एक नया आयाम उभर रहा है।

पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने चिकित्सा क्षेत्र में सेवा और दवा की ऊंची कीमतों पर सवाल उठाए। दरअसल, भारत का सार्वजनिक चिकित्सा क्षेत्र अपनी विशेषज्ञता या उचित दवाओं की अनुपलब्धता के कारण प्रगति की राह से फिसल गया। मरीज निजी क्षेत्र के अस्पतालों में जाने के लिए मजबूर हो गए। यहां उपचार बहुत महंगा तो है लेकिन उचित और प्रभावी था। गंभीर बीमारियों से ग्रस्त मरीजों की संख्या बढ़ने के साथ निजी अस्पतालों में भीड़ बढ़ने लगी।

सुप्रीम कोर्ट ने निजी अस्पतालों के कमरों के दैनिक किरायों पर आश्चर्यजनक वृद्धि पर चिंता जताई। साथ ही, न्यायपालिका ने उन मामलों को गंभीरता से लिया, जहां मरीज की मृत्यु के बाद भारी–भरकम बिल का भुगतान किए बिना अस्पताल द्वारा शव परिजनों को सौंपने में आनाकानी की जाती थी। न्यायालय ने ऐसी अमानवीय प्रथा पर रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। वहीं, सर्वोच्च न्यायालय ने भारत के फार्मा उद्योग में दवाओं की ऊंची कीमतों को लेकर भी गंभीर चिंता व्यक्त की। उल्लेखनीय है कि सर्वोच्च न्यायालय ने देश में कैंसर के उपचार और कीमोथेरेपी में इस्तेमाल होने वाली दवाओं की ऊंची कीमतों पर कड़ी टिप्पणी की थी। न्यायालय का कहना था कि इतनी महंगी दवाएं गरीब मरीजों के साथ अन्याय के समान हैं।

अब सर्वोच्च न्यायालय ने दवाओं के एमआरपी और उनकी वास्तविक खुदरा कीमतों में भारी अंतर पर कड़ी नाराजगी जताई है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने एक मामले में सवाल उठाया कि जिस दवा की कीमत खुदरा विक्रेता के लिए 15 रुपये है, वह मरीजों को 250 रुपये में क्यों बेची जा रही है। फिलहाल, दवाओं की ऊंची कीमतों और डॉक्टरों द्वारा सस्ती जेनेरिक दवाओं के बजाय महंगी दवाएं लिखे जाने से संबंधित दो याचिकाओं पर सर्वोच्च न्यायालय का फैसला आना है।

सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने दवाओं की कीमतों का बचाव करते हुए कहा है कि फार्मा बाजार प्रतिस्पर्धी है। उद्योग के अस्तित्व तथा विकास को बनाए रखने के लिए कीमतों का एक निश्चित स्तर आवश्यक है। लेकिन न्यायपीठ इससे संतुष्ट नहीं हुई। जहां एक ओर सॉलिस्टिर जनरल कह रहे थे कि सरकार दवा तंत्र को नियंत्रित नहीं करना चाहती और निजी क्षेत्र में हर क्षेत्र को अपना व्यापार करने की आजादी है। उन्होंने तर्क भी दिया कि भारत में दवाओं की कीमतें दुनिया में सबसे कम हैं। लेकिन कोर्ट इससे संतुष्ट नहीं हुआ।

उल्लेखनीय है कि यदि दुनिया के अन्य देशों में दवाएं महंगी हैं, तो वहां की प्रति व्यक्ति आय को भी ध्यान में रखना होगा। सर्वोच्च न्यायालय की यह टिप्पणी भी महत्वपूर्ण है कि यदि भारत में दवाओं की कीमतें दुनिया के मुकाबले कम हैं, तो क्या इसके आधार पर कंपनियों को मनमानी कीमतें तय करने की छूट दी जा सकती है? गरीब मरीजों के पास मोल–भाव की क्षमता नहीं होती। इसलिए हर दवा को जेनेरिक बनाने, आवश्यक दवाओं की कीमतों पर प्रभावी सीमा तय करने और मरीजों को सस्ती चिकित्सा उपलब्धा कराने पर विचार होना चाहिए।

आम तौर पर विकसित देशों में चिकित्सा दायित्व सरकारी क्षेत्र में होता है। वहां नाममात्र दाम पर चिकित्सा उपलब्ध हो जाती है इसलिए ऑस्ट्रेलिया हो, कनाडा या अमेरिका, मरीजों को शिकायत रहती है कि उन्हें तत्काल उपचार नहीं मिलता। लेकिन अधिक आर्थिक क्षमता के कारण देश में न केवल निजी चिकित्सा क्षेत्र पनपा है बल्कि उत्तरोत्तर महंगा हो गया है। देश के आम आदमी की जेब की पहुंच से बाहर हो रहा है। समाधान के तौर पर सरकारी क्षेत्र को सुदृढ़ किया जाए। पंजाब में तो इस समय तक 1245 मोहल्ला क्लीनिक भी खोल दिए गए हैं। यहां उपचार, टैस्ट और शल्य चिकित्सा भी उपलब्ध है। लेकिन निजी क्षेत्र का विकल्प बनने के लिए इस क्षेत्र के विकास को अभी समय लगेगा। तो क्या देश का आम आदमी तब तक महंगा उपचार सहता रहेगा?

अगले साल पंजाब के विधानसभा चुनावों के मद्देनजर आप पार्टी सरकार ने आम आदमी क्लीनिक को अपनी उपलब्धि के तौर पर दर्शाया है। लेकिन सत्य के धरातल से देश की उपचार व्यवस्था को देखें तो यही लगता है कि इस क्षेत्र में अभी बहुत काम किया जाना बाकी है।

जन–महाभियोग : लोकतंत्र की चिन्ता या राजनीतिक दबाव

–सौरभ वार्ष्णेय–



लोकतंत्र में चुनाव आयोग की निष्पक्षता जितनी महत्वपूर्ण है, उतना ही महत्वपूर्ण उसकी संवैधानिक स्वतंत्रता और संस्थागत गरिमा को बनाए रखना भी है। मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ जन–महाभियोग जैसा अभियान चलाना कोई सामान्य राजनीतिक घटना नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर और असाधारण परिस्थिति का संकेत है। सवाल यह है कि क्या राजनीतिक असहमति को इस स्तर तक ले जाना उचित है और क्या इससे लोकतांत्रिक संस्थाओं पर जनता का विश्वास मजबूत होगा? कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जन–महाभियोग प्रस्ताव कार्यक्रम के माध्यम से केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि कांग्रेस की चुनाव आयुक्त से कोई व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं है, बल्कि उसकी लड़ाई निष्पक्ष चुनाव और लोकतंत्र की रक्षा के लिए है। खडगे ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के निर्देश पर चुनाव आयोग काम कर रहा है तथा देश में मताधिकार की स्वतंत्रता प्रभावित हो रही है। इन आरोपों के बीच उन्होंने विपक्ष की ओर से लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प भी व्यक्त किया। निश्चित रूप से चुनाव आयोग जैसे संवैधानिक संस्थान की निष्पक्षता पर सवाल उठना गंभीर विषय है, लेकिन इस विषय को समझने के लिए राजनीतिक आरोपों से आगे बढ़कर तथ्यों और संवैधानिक मर्यादाओं का परीक्षण करना आवश्यक है।भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यहां चुनाव केवल सरकार बनाने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि जनता की राजनीतिक इच्छा और संवैधानिक अधिकारों की अभिव्यक्ति हैं। चुनाव आयोग को स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने की जिम्मेदारी संविधान ने सौंपी है। इसलिए उसकी कार्यप्रणाली पर सवाल उठना अस्वाभाविक नहीं है। विपक्ष को यह अधिकार है कि वह चुनाव प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की अनियमितता, पक्षपात या मतदाता अधिकारों के उल्लंघन के विरुद्ध आवाज उठाए। लेकिन सवाल यह भी है कि क्या किसी संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के खिलाफ राजनीतिक मंचों से लगातार आरोप लगाने और जन–महाभियोग जैसी पहल करने से समस्या का समाधान निकल सकता है?महाभियोग की अवधारणा अपने आप में अत्यंत गंभीर है। यह किसी राजनीतिक असहमति का सामान्य हथियार नहीं, बल्कि संवैधानिक और कानूनी प्रक्रिया से जुड़ा विषय है। मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाने की प्रक्रिया भी संविधान के अनुच्छेद 324(5) के तहत सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश को हटाने की निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप है। इसके लिए संसद में विशेष बहुमत की संवैधानिक प्रक्रिया आवश्यक होती है। ऐसे में किसी व्यक्ति के खिलाफ जन–महाभियोग का राजनीतिक अभियान चलाना और वास्तविक संवैधानिक महाभियोग की प्रक्रिया अलग–अलग बातें हैं। जनता के बीच विरोध दर्ज कराना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन उसे संवैधानिक प्रक्रिया का विकल्प नहीं माना जा सकता।

यह भी समझना होगा कि किसी मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ इस तरह का अभियान चलाना कोई सामान्य राजनीतिक घटना नहीं है। इससे देश और विदेश में लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता को लेकर सवाल उठ सकते हैं। यदि चुनाव आयोग वास्तव में किसी प्रकार की अनियमितता कर रहा है तो उसके प्रमाण सार्वजनिक किए जाने चाहिए। चुनावी आंकड़ों, मतदाता सूची, मतदान प्रक्रिया और प्रशासनिक निर्णयों को लेकर ठोस सवाल उठाए जाने चाहिए। विपक्ष को संसद, न्यायपालिका और अन्य संवैधानिक मंचों का इस्तेमाल करना चाहिए। केवल राजनीतिक भाषणों और आरोपों से किसी संस्था की निष्पक्षता प्रमाणित या खारिज नहीं की जा सकती।

दूसरी ओर, सत्ता पक्ष की भी यह जिम्मेदारी है कि वह विपक्ष की हर आलोचना को राजनीतिक हताशा बताकर खारिज न करे। लोकतंत्र में विपक्ष केवल चुनाव लडने और सरकार बदलने के लिए नहीं होता, बल्कि वह सत्ता की जवाबदेही सुनिश्चित करने वाली महत्वपूर्ण शक्ति है। यदि विपक्ष चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठा रहा है तो सरकार और आयोग को तथ्यों के आधार पर जवाब देना चाहिए। पारदर्शिता से बचने या सवाल पूछने वालों को राजनीतिक विरोधी बताने की प्रवृत्ति लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करती है।

वास्तविक चिंता यह है कि देश की राजनीति में संवैधानिक संस्थाएं भी आरोप–प्रत्यारोप के केंद्र में आती जा रही हैं। कभी संसद की कार्यवाही पर सवाल उठते हैं, कभी न्यायपालिका की टिप्पणियों को राजनीतिक चश्मे से देखा जाता है और कभी चुनाव आयोग की निष्पक्षता को लेकर विवाद खड़ा होता है। ऐसी परिस्थितियां किसी भी लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं हैं। संवैधानिक संस्थाओं की प्रतिष्ठा किसी सरकार या राजनीतिक दल की संपत्ति नहीं होती। उनका सम्मान और स्वतंत्रता पूरे देश की सामूहिक जिम्मेदारी है।

खडगे की पहल को केवल राजनीतिक विरोध कहकर खारिज करना भी उचित नहीं होगा और उसे लोकतंत्र की रक्षा का अंतिम रास्ता मान लेना भी सही नहीं है। लोकतंत्र में विरोध का अधिकार है, लेकिन विरोध की भी एक संवैधानिक मर्यादा होती है। किसी पदाधिकारी को हटाने की मांग करने से पहले आरोपों की प्रमाणिकता, प्रक्रिया की वैधता और उसके परिणामों पर गंभीर विचार होना चाहिए। अन्यथा संस्थाओं के प्रति अविश्वास की ऐसी राजनीति जन्म ले सकती है, जिसका नुकसान अंततरू आम मतदाता को उठाना पड़ेगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि चुनाव आयोग अपनी निष्पक्षता को केवल बयानों से नहीं, बल्कि पारदर्शी कार्यप्रणाली और जवाबदेही से साबित करे। विपक्ष भी अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए आरोपों के साथ ठोस प्रमाण प्रस्तुत करे। सरकार को चाहिए कि वह चुनावी व्यवस्था से जुड़े हर संदेह का समाधान लोकतांत्रिक संवाद के माध्यम से करे। आखिरकार चुनाव आयोग किसी राजनीतिक दल का नहीं, बल्कि देश के प्रत्येक नागरिक के मताधिकार का संरक्षक है।

लोकतंत्र में किसी के खिलाफ जन महाभियोग जैसी असाधारण पहल होना अपने आप में सुखद स्थिति नहीं कही जा सकती। यह राजनीतिक व्यवस्था में गहरे अविश्वास और संवाद की कमी का संकेत है। लेकिन इससे भी अधिक दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति तब होगी, जब चुनाव जैसी लोकतंत्र की बुनियादी प्रक्रिया पर जनता का भरोसा कमजोर पड़ जाए। इसलिए जरूरी है कि न सत्ता पक्ष अपनी शक्ति के अहंकार में संवैधानिक मर्यादाएं भूले और न विपक्ष राजनीतिक विरोध को संस्थागत टकराव का रूप दे। लोकतंत्र की असली जीत किसी व्यक्ति के इस्तीफे या किसी दल की राजनीतिक सफलता में नहीं, बल्कि निष्पक्ष चुनाव, स्वतंत्र संस्थाओं और जनता के अटूट

यह भी समझना होगा कि किसी मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ इस तरह का अभियान चलाना कोई सामान्य राजनीतिक घटना नहीं है। इससे देश और विदेश में लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता को लेकर सवाल उठ सकते हैं। यदि चुनाव आयोग वास्तव में किसी प्रकार की अनियमितता कर रहा है तो उसके प्रमाण सार्वजनिक किए जाने चाहिए। चुनावी आंकड़ों, मतदाता सूची, मतदान प्रक्रिया और प्रशासनिक निर्णयों को लेकर ठोस सवाल उठाए जाने चाहिए। विपक्ष को संसद, न्यायपालिका और अन्य संवैधानिक मंचों का इस्तेमाल करना चाहिए। केवल राजनीतिक भाषणों और आरोपों से किसी संस्था की निष्पक्षता प्रमाणित या खारिज नहीं की जा सकती।

यू.पी व पंजाब चुनावों की दिशा



–वकील अहमद–

अगले साल उत्तर प्रदेश और पंजाब में विधानसभा चुनाव होने हैं। गठबंधन की तैयारियां चल रही हैं। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस और सपा का गठबंधन तय है। सीटों के बंटवारे पर बात जारी है। पंजाब में भाजपा और शिरोमणि अकाली दल के एक बार फिर लम्बे समय के बाद साथ आने की संभावना बन रही है। उत्तर प्रदेश की बात करें तो देख सकते हैं कि भाजपा की योगी सरकार कानून व्यवस्था के मोर्चे पर सफल है। जबकि अन्य क्षेत्रों में खास सफल नहीं है। यही कारण है कि योगी जी उन चीजों को छिपाने की कोशिश कर रहे हैं जो उन्हें करनी थीं। इसके लिए वह फिर से चुनाव को हिंदू–मुस्लिम की ओर ले जा रहे हैं। यही कारण है कि वह 80–20 की बात करते हैं तो कभी वह सपा को हिंदू विरोधी बता रहे हैं।

भाजपा ने अपनी जड़ें जमाने के लिए बहुत हिंदू–मुस्लिम कर लिया अब उसे अपने काम और सद्भावना पर चुनाव लड़ना चाहिए क्योंकि वोट के लिए लम्बे समय तक देश में 2 समुदायों को एक–दूसरे के प्रति नफरत रखने की प्रवृत्ति नुकसानदेह हो सकती है। और अगर जेन–जी के रवैये और विचारों को देखें तो यह मूर्खता है। चुनाव वाले प्रदेशों के साथ पूरे देश में जनता इस समय महंगाई से त्रस्त है। बेरोजगारी से युवा हताशा में हैं। आम आदमी पेट भरने के लिए जूझ रहा है। भले ही सरकार लोगों को 5 किलो मुफ्त राशन का झुनझुना थमाए है लेकिन इसके अलावा भी आम आदमी को और भी कुछ चाहिए होता है जो उसे उसकी कमाई में नहीं मिल पा रहा है। युवाओं में आक्रोश बिना वजह नहीं है। इसे समझने की जरूरत है। यह आक्रोश कभी धर्मेंद्र प्रधान और कभी ज्ञानेश कुमार के विरोध के रूप में निकल रहा है लेकिन सरकार युवाओं को समझ नहीं पा रही और युवा भी सरकार को अपनी सही समस्याएं अच्छे से समझा नहीं पा रहे। यही सब बातें इस बार उन प्रदेशों में चुनावी मुद्दा रहेंगी जहां चुनाव होने हैं।

पंजाब में तो खैर मुस्लिम वोट का खास प्रभाव नहीं है। वहां किसानों की समस्याओं, नशा, बढ़ते अपराध मुद्दा हो सकते हैं। शिरोमणि अकाली दल यदि भाजपा के साथ गठबंधन में यहां चुनाव में उतरता है तो किसानों की समस्याएं उनके लिए मुसीबत बन सकती है क्योंकि पंजाब के किसानों में भाजपा की छवि अच्छी नहीं है। आम आदमी पार्टी पंजाब में पांच साल से सत्ता में होते हुए भी जनता में कोई खास प्रभाव नहीं छोड़ पाई। नशा और अपराधों को रोकने में बुरी तरह विफल रही है। कांग्रेस पंजाब में पूरे दमखम और सूझबूझ से चुनाव लड़े तो संभवतरू सफल हो सकती है। उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव अपने पी.डी.ए. के नारे के साथ चुनाव में उतर रहे हैं। एक बात जो मुझे अक्सर कचोटती है, मीडिया और स्वयं मुसलमान भी इसके लिए जिम्मेदार है। उन्हें अक्सर एक दल के साथ जोड़ कर वोट बैंक के रूप में दिखाया जाता है। अखिलेश उत्तर प्रदेश के एक बड़बोले मुस्लिम नेता से मिले तो मीडिया ने कयास लगाना शुरू किया कि असदुद्दीन ओवैसी के डर से मुस्लिम वोट बैंक को अपने साथ रखने के लिए अखिलेश आजम खान से मिले। यह मीडिया और अखिलेश की सोच हो सकती है परंतु मुसलमानों की नहीं क्योंकि वे वोट बैंक नहीं वोटर है।

अखिलेश यादव को मेहनत बहुत करनी होगी। उनकी पहले ही पांच साल की सरकार के दौरान उन्होंने कुछ अच्छी शुरुआतें की थीं जैसे प्रदेश में 112 की पुलिस सेवा, एम्बुलैंस सेवा और बिजली आपूर्ति में सुधार लेकिन कुछ नेताओं के कारनामों ने सरकार की छवि को उस समय धूमिल किया था। अखिलेश को जनता को आश्वस्त करना होगा कि आगे ऐसा नहीं होगा। दोनों ही प्रदेशों में इस बार चुनाव बहुत रोचक होगा। हर बार की तरह इस बार भी इन चुनावों में जन–मानसिकता कैसी होगी यह महत्वपूर्ण रहेगा। जनता को अपने विवेक के साथ अपने और बच्चों के भविष्य को ध्यान में रख कर सरकार चुननी है। छोड़ो यारो नफरत की बातें,बीत गई वो काली रातें,अब मिल के देश–प्रदेश को बनाना है, अच्छे लोगों और अच्छी सोच को लाना है।

समाजवादी पार्टी यूपी के लिए श्राप है, जब भी सत्ता में आई तो तबाही मचाई –मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ



संवाददाता–गोंडा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को गोंडा के गौरा व मनकापुर विधानसभा क्षेत्र की 520.84 करोड़ रुपये की 69 परियोजनाओं का शिलान्यास/लोकार्पण किया। इस कार्यक्रम के बाद उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी पर जमकर हमला बोला। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भाजपा का मतलब आस्था है। यह आपका सम्मान और आपको आगे बढ़ाने वाली पार्टी है। इसके विपरीत समाजवादी पार्टी और कांग्रेस का मतलब है अपराध। यह तो बदमाश को लाने वाली पार्टियां है। यह लोग बदमाश को लाते हैं और हम बदलाव लाते हैं। यह लोग बदमाशों को प्रश्रय देते हैं और हम आस्था को सम्मान देते हैं।

तेजपुर के सिंगारघाट में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि समाजवादी पार्टी यूपी के लिए श्राप है। यह पार्टी जब भी सत्ता में आई, इसने तबाही मचाई है। आज विकास हो रहा है। दीपावली के पूर्व विकास परियोजनाओं का उपहार प्राप्त हो रहा है। योगी आदित्यनाथ ने मां वाराही व पृथ्वीनाथ की धरा को नमन करते हुए परियोजनाओं की बधाई देते हुए जनप्रतिनिधियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि सात नवंबर को हम अयोध्या जाएंगे। दीपोत्सव का दसवां संस्करण अयोध्या धाम में होगा। दीपोत्सव का कार्यक्रम का अयोध्या धाम होगा, लेकिन रोशनी विकास के रूप में गोंडा में पहुंचेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सपा के शासन की जानकारी युवा को नहीं होगी। अब जान लें कि कैसे कर्फ्यू होता है, कैसे दंगा होता है, कैसे गरीबों को लूटते थे, कैसे युवा के रोजगार पर डकैती डालते थे, कैसे बहन–बेटियों का उत्पीड़न होता था, उपद्रव क्या होता है। उपद्रव में त्योहार में फीका हो जाता है। इस बार 67 हजार दुर्गा प्रतिमा रखी गई थी। देवीपाटन मंडल में घर में रखने के लिए अनुमति नहीं। किसी सपाई या कसाई को परेशानी होती है तो अपने घर में रहे। कावंड़ यात्रा में चार करोड़ लोग हिस्सा बने। भाजपा सरकार में दंगा करने का प्रयास किया तो आपकी सात पीढ़ियां याद करेंगे। एक बार दुर्गा पूजा में दंगा होने पर मुझे आना पड़ा था। आयोजकों को परेशान किया जाता था। आज आनंद है, उत्साह है।

आज मुझे विकास गोंडा में दिखाई दे रहा है। मुझे दस वर्ष पहले ट्रेन से उतरकर देवीपाटन जाना पड़ता था, तब ढाई से तीन घंटे लगते थे। सड़कें गड्ढे में तब्दील थीं। नौजवान बेरोजगार था, किसान बेहाल था। बेटी व्यापारी की सुरक्षा खतरे में पड़ी थी। देश के अंदर सबसे पिछड़े व गंदे जिलों में गोंडा, बलरामपुर, बहराइच व श्रावस्ती की गिनती होती थी। हम लोग परेशान रहते थे कि विदेशी अक्रांताओं को परास्त करने वाली मां पाटेश्वरी, महाराजा सुहेलदेव व देवीबक्श का शौर्य व पराक्रम कहां गायब हो गया है। पहचान का संकट खड़ा हो गया था। परेशानी मुझे भी होती थी।

पहले मीडिया में सुर्खियां बनती थीं अज्ञात बीमारी से मौत हो गई है। मैं, स्वास्थ्य विभाग को फोन करता था कि अज्ञात बीमारी क्या है, पहले एक गरीब के बच्चे की कीमत नहीं थी। नौजवान के भविष्य के साथ खिलवाड़ करते थे। मां दुर्गा पूजा करने की भी अनुमति नहीं दी जाती थी। सपाई व कसाई एप्लीकेशन देकर विरोध करता था तो पुलिस रोक लगाती थी। कावंड़ यात्रा नहीं निकालने दी जाती थी। कोई पर्व नहीं मनाने दिया जाता था। योजनाएं दूसरी जिले में भेज दी जाती थी। 2016 को स्वच्छ सर्वेक्षण में गोंडा सबसे गंदा था। दो नवंबर को तत्कालीन सपा ने सरकार रामभक्तों पर गोली चलवाई थी। हमने पुष्प वर्षा कराई, विकास आगे बढ़ाया। दीपोत्सव में जो दीप जलेगा उसका विकास गोंडा में आएगा। इसी से देवीपाटन मंडल में विकास की आभा सी दिखेगी। कोई सोचता था कि मेडिकल कालेज, इंजीनियरिंग व कृषि कालेज बनेगा। देवीपाटन मंडल में विश्व विद्यालय बनेगा।

विश्वविद्यालय की राह में नकल के ठेकेदार बाधा बनता था। मैंने उनके धंधे को चौपट करने के लिए मैंने विश्वविद्यालय दे दिया। मंडल में विश्वविद्यालय है। गोंडा, बहराइच में मेडिकल कालेज है। बलरामपुर में निर्माण चल रहा है। सड़कें चलने लायक है। बलरामपुर–गोंडा–अयोध्या मार्ग का चौड़ीकरण की स्वीकृति हो चुकी है। राजा भइया स्वयं प्रयास कर रहे हैं। कभी इस धरती ने योग की धारा को आगे बढ़ाया था।

महर्षि पतंजलि ने यहां गोस्वामी तुलसीदास ने यहां अपने गुरु के मुख के रामकथा सुनी थी और रामायण लिखने की प्रेरणा मिली थी। घनश्याम नामक का युवक भगवान स्वामी नारायण के रूप में पूरी दुनिया में विख्यात है। जिस धरती ने दुनिया को रोशनी दिखाई वह स्वयं अंधेरे में रह गई। सबसे बड़ा खाद्यान घोटाला गोंडा में हुआ था। 2023 में गोंडा को तीन हजार करोड़ रुपये के निवेश गोंडा को प्राप्त हुए। सैकड़ों करोड़ की परियोजनाएं धरातल उतरी है। अब तो पराली व बायोगैस का भी दाम मिलेगा। आज के इस अवसर पर मैं आप सबसे यह कहने आया हूं।

प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में गोंडा के लिए 16 हजार करोड़ रुपये व मंडल के लिए 50 हजार करोड़ रुपये हमने स्वीकृत की है कुछ पूरी हो गई हैं, कुछ का निर्माण चल रही है। हमने नए कार्यों का प्रस्ताव भी मांगा है। पहले विकास का मतलब सैफई होता था, आज विकास मतलब उत्तर प्रदेश है। विकास में भेदभाव नहीं होता है। बिजली सैफई ही नहीं, गोंडा, बलरामपुर, बहराइच में भी मिलेगा। हर जरूरतमंद को फ्री में राशन मिलेगा। रसोई गैस का कनेक्शन मिलेगा। दीपावली से पहले एक सिलेंडर फ्री में देने जा रहे हैं। अब गरीब उपचार के लिए भटकता नहीं है। आयुष्मान कार्ड है। मुख्यमंत्री राहत कोष से पैसा दिया जाता है। हमने प्रदेश को बीमारू राज्य से मुक्त किया है। सपा के लोग युवाओं के जीवन से खिलवाड़ करते थे। ईमानदारी के साथ भर्ती प्रक्रिया की गई। सांसद, विधायक अपने क्षेत्र में नियुक्ति पत्र वितरित करते हैं। पहले यह सपना था। गोंडा को बदनाम कर दिया था, इसलिए नौकरी नहीं मिलती थी।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि निवेश का मतलब, रोजगार और नौकरी भी है। सुरक्षित वातावरण जरूरी है पूंजी निवेश के लिए। गोंडा का नौजवान, क्यों बंगलुरु, हैदराबाद, दिल्ली व मुंबई जाएगा। विकास कंचुआ की चाल नहीं चलेगा, हम उसे स्पीड देंगे। अब यूपी भारत की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन बन गया है। देश के टाप थ्री राज्यों में यूपी एक है। आप आपने अच्छे सांसद व विधायक दिया है, इसलिए यह संभव हो पाया है। अब कोई बेटी या व्यापारी की सुरक्षा में सेंध नहीं लगाता है। विकास की योजना को कोई रास्ते में कोई हाईजैक नहीं कर सकता। मुख्यमंत्री ने कहा कि माफिया को हम मिट्टी में मिला चुके हैं। सुरक्षा में सेंध लगाई तो जेल या जहन्नुम, तीसरी जगह नहीं है। पहले मंदिरों का पैसा कब्रिस्तान व गरीब की जमीन पर कब्जा करने के लिए खर्च किया जाता था। नौजवान के लिए रोजगार का रास्ता खुला है। अखिलेश से मैने कहा था कि गिनती आती है गिनो अगले छह माह में एक लाख युवाओं को नौकरी देंगे। 12–15 हजार लोगों को नियुक्ति पत्र दे चुके हैं। साढ़े चार सब इंस्पेक्टर, 45 हजार पुलिस कांस्टेबल, 42 हजार होमगार्ड को नियुक्ति पत्र देने जा रहे हैं। शिक्षकों की भर्ती होगी। अन्य विभागों में भी नियुक्ति करने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उप्र लोक सेवा आयोग से भर्ती कर रहे हैं। खिलाड़ियों से कहते हैं पदक लाओ, हमसे पद पाओ। डिप्टी एसपी, खेल अधिकारी बनाया है। चार वर्ष के बाद वापस आने वाले अग्निवीरों को विभिन्न विभागों में 20 प्रतिशत रिजर्वेशन देने जा रहे हैं। मैं, सभी युवाओं से कहूंगा सरकार ने बहुत सारे द्वार खोले हैं। गोंडवासियों को बधाई, जय हिंद, जय–जय श्रीराम। कार्यक्रम में केंद्रीय विदेश राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह, मनकापुर विधायक रमापति शास्त्री, गौरा विधायक प्रभात वर्मा, तरवगंज विधायक प्रेम नरायन पांडेय, कर्नलगंज अजय सिंह, मेहनौन विधायक विनय कुमार द्विवेदी, एमएलसी अवधेश कुमार उर्फ मंजू सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम मिश्र, भाजपा जिलाध्यक्ष अकबाल बहादुर तिवारी उपस्थित रहे।

तिलक से लौट रही कार ट्रेलर से टकराई, छह लोगों की मौत, दो बच्चे गंभीर



संवाददाता–कुशीनगर। सोमवार की सुबह–सुबह भीषण हादसा हुआ है। तिलक समारोह से लौट रहे लोगों की कार ट्रक से टकरा गई। हादसे में कार सवार आठ में से छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। दो को गंभीर हालत में अस्पताल भेजा गया है। दोनों की उम्र 12 और 17 साल है। घटना हाटा कोतवाली के थरुआडीह पेट्रोल पंप के पास हुई। सभी लोग कप्तानगंज थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत भलूही से तिलक समारोह में शामिल होने के लिए हाटा कोतवाली के देवराड़ पिपरा गांव गये थे। यह तिलक महराजगंज कोतवाली क्षेत्र के बभनौली से गया था। कप्तानगंज थाना क्षेत्र के भलुही गांव निवासी प्रद्यान प्रतिनिधि कन्हैया प्रसाद के भाई रवि कुमार गौतम जो एसएसबी के जवान हैं, उनकी ससुराल बमनौली में है। रविकुमार गौतम की साली का तिलक गया था। सभी लोग भलुही से रिश्तेदार के तिलक में सम्मिलित होने देवराज पिपरा में गए थे। वहां से एक कार में कन्हैया अपने पिता राम बेलास, भाई राम मिलन समेत आठ लोगों के साथ देर रात ईको कार से लौट रहे थे।

इसी दौरान कोतवाली क्षेत्र हाटा के पेट्रोल पम्प के पास कार की सामने से आ रहे ट्रेलर से सीधी टक्कर हो गई। तेज रफ्तार के कारण कार के परखच्चे उड़ गए। मौके पर चीख पुकार मच गई। आसपास से गुजर रहे लोगों ने तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरू किया। गाड़ी में फंसे लोगों को बाहर निकालने के साथ पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी गई। जब तक लोगों को अस्पताल पहुंचाया जाता, छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी। दो नाबालिग गंभीर हालत में थे। दोनों को पहले मेडिकल कॉलेज फिर गोरखपुर के लिए रेफर कर दिया गया।

भीषण हादसे में एक साथ छह लोगों की मौत की खबर गांव पहुंचते ही कोहराम मच गया। कुछ लोग घटनास्थल तो कुछ लोग अस्पताल भागे। सैकड़ों लोगों की भीड़ जुट गई। पुलिस और प्रशासन के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और शवों का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस फिलहाल तेज रफ्तार को ही घटना का कारण मान रही है।

हादसे में भलुही के प्रधान प्रतिनिधि कन्हैया प्रसाद उम्र 45 पुत्र राम बेलास, रामबेलास उम्र 65 पुत्र शोभा, राम मिलन 35 पुत्र राम बेलास, मृदुल मिश्रा 37 पुत्र नर्वदा मिश्रा, रंजय गुप्ता 35 पुत्र बुनियादी, मिथलेश गुप्ता 22 पुत्र अवधेश गुप्ता की मौत हो गई है। वहीं, आयुष 12 पुत्र राम मिलन, आर्यन 17 पुत्र राममिलन गम्भीर रूप से घायल हैं। दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

एआरटीओ कार्यालय पर डीएम का छापा, तीन ऑनलाइन सेंटरों के संचालक और ऑपरेटर हिरासत में



संवाददाता–कुशीनगर। एआरटीओ कार्यालय में सोमवार को डीएम और एडीएम के औचक निरीक्षण के दौरान प्रशासनिक हलचल रही। डीएम संजय चौहान ने कार्यालय की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के साथ ड्राइविंग टेस्टिंग ट्रैक पर एक आवेदक से बाइक चलवाकर उसकी क्षमता भी परखी। दूसरी ओर, दूसरे स्थानों के ड्राइविंग लाइसेंस कम समय में बनाने की शिकायत पर पुलिस ने कार्यालय के आसपास ऑनलाइन सेवाएं देने वाले तीन सेंटरों के संचालकों और ऑपरेटरों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। डीएम संजय चौहान ने ड्राइविंग टेस्ट के दौरान आवेदक से बाइक चलवाई। आवेदक टेस्ट में सफल रहा। इसके बाद उन्होंने कार्यालय में फाइलों के रखरखाव, पेयजल, साफ–सफाई और कर्मचारियों के कामकाज की जानकारी ली। डीएम ने एआरटीओ को परिसर में साफ–सफाई बनाए रखने और व्यवस्थाओं को बेहतर करने के निर्देश दिए। साथ ही कर्मचारियों को कामकाज में पारदर्शिता और जिम्मेदारी बरतने की हिदायत दी। उधर, पुलिस ने एआरटीओ कार्यालय के आसपास ऑनलाइन सेवाएं देने वाले तीन सेंटरों के संचालकों और ऑपरेटरों को पूछताछ के लिए थाने पहुंचाया। इन सेंटरों के माध्यम से दूसरे स्थानों के ड्राइविंग लाइसेंस कम समय में बनवाने की शिकायत मिली थी। पुलिस की कार्रवाई और दिल्ली नंबर की गाड़ी देखकर इलाके में दिल्ली साइबर पुलिस की छापेमारी की चर्चा फैल गई, हालांकि बाद में यह चर्चा अफवाह निकली। रविंद्रनगर धूसर थानाध्यक्ष अमित सिंह ने बताया कि कुछ ऑनलाइन सेंटरों के माध्यम से दूसरे स्थानों के ड्राइविंग लाइसेंस कम समय में बनवाने की शिकायत मिली थी। इसी आधार पर तीन सेंटरों के संचालकों और ऑपरेटरों को पूछताछ के लिए थाने लाया गया है। एआरटीओ डॉ. दिलीप कुमार गुप्ता ने बताया कि डीएम और एडीएम ने कार्यालय का औचक निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान सबकुछ सही मिला। डीएम ने साफ–सफाई व्यवस्था और बेहतर करने के निर्देश दिए हैं। उनके अनुसार, कार्यालय परिसर में कोई संदिग्ध नहीं मिला।

आम के पेड़ से लटकता मिला युवक का शव



संवाददाता–महराजगंज। पनियरा थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर ग्राम पंचायत के बगदुलरी टोला निवासी 35 वर्षीय रमेश निषाद का शव सोमवार सुबह घर से करीब एक किलोमीटर दूर बागीचे में आम के पेड़ से लटकता मिला। वह रविवार शाम से लापता था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फोरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंचकर जांच–पड़ताल की। जानकारी के अनुसार, रमेश निषाद गांव में चाट–फुलकी की दुकान लगाता था। रविवार शाम को भी उसने दुकान लगाई थी। इसके बाद वह घर पहुंचा और बिना कुछ बताए फिर कहीं चला गया। परिजनों को लगा कि वह गांव में स्थित अपने दूसरे घर पर गया होगा। सोमवार सुबह जब वह वहां भी नहीं मिला तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। इसी दौरान किसी ने बागीचे में आम के पेड़ से शव लटकता देख और शोर मचाया। जानकारी मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे। शव की पहचान रमेश निषाद के रूप में हुई। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। मृतक की एक बेटी काजल (17) और दो बेटे अभिषेक (15) व विवेक (10) हैं। घटना के बाद पिता राधेश्याम, मां राजमति और पत्नी कलावती का रो–रोकर बुरा हाल है। थानाध्यक्ष कुंवर गौरव सिंह ने बताया कि पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल की जांच की है। परिजनों से घटना के कारणों के बारे में जानकारी ली गई, लेकिन वे कोई स्पष्ट वजह नहीं बता सके।

महंत परशुराम दास बने भक्ति आंदोलन मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। भक्ति आंदोलन मंच न्यास की बैठक रविवार को करतलिया बाबा आश्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय संत राजर्षि श्री रामनयन दास जी रामायणी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में संगठन के विस्तार और मजबूती को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सर्वसम्मति से नए पदाधिकारियों की नियुक्ति की घोषणा की।इसके तहत श्री संकट मोचन हनुमान किला एवं अखिल भारतीय तेरह भाई त्यागी के महंत परशुराम दास महाराज को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और करतलिया बाबा आश्रम के पीठाधीश्वर महंत बाल योगी रामदास को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया। वहीं, रामबक्श यादव को सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई। नवनियुक्त राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महंत परशुराम दास महाराज ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उन पर जो विश्वास जताया है, उस पर खरा उतरना उनकी प्राथमिकता होगी। संगठन की मजबूती, संतों के सम्मान और सनातन संस्कृति के प्रचार–प्रसार के लिए सभी पदाधिकारियों को साथ लेकर कार्य करेंगे।

अदालती नोटिस
(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
न्यायालय–श्रीमान अपर उपजिलाधिकारी सदर महोदय अयोध्या जनपद–अयोध्या
वाद सं0–13505/2025
क0 वाद सं0–T202504230113505
अर्न्तगत धारा–207 उ0प्र0ज0सं0
आदिल रशीद आदि
बनाम
रानी सिंह उम्र आदि
बनाम–1– रानी सिंह उम्र लगभग 50 वर्ष पुत्र श्री विजय बहादुर सिंह निवासी ग्राम बानेपुर पोस्ट जैता जिला–बस्ती हाल पता निवासी हरिनाथपुर जनपद–अम्बेडकरनगर 2. श्रीमती गरिमा सिंह उम्र लगभग 25 वर्ष पुत्री श्री चन्द्रशेखर सिंह निवासी ग्राम खैरहवा दूबे पोस्ट झिंगटी जिला–महराजगंज 3. राणा प्रताप सिंह उम्र लगभग 50 वर्ष पुत्र श्री विजय बहादुर सिंह निवासी बानेपुर जैंता जनपद–बस्ती 4. जितेन्द्र बहादुर सिंह उम्र लगभग 52 वर्ष पत्र श्री वीरेन्द्र कुमार सिंह निवासी हरिनाथपुर पोस्ट दशरथपुर जनपद–अम्बेडकरपुर 5. श्री प्रभुराम दास उर्फ पप्पू तिवारी चेला बाबा प्रेम दास व पुत्र स्व0 ब्रम्हानन्द निवासी ठाकुराईन मन्दिर कपिलगंज हनुमानगढ़ी परगना हवेली अवध तहसील सदर जनपद–अयोध्या 6. श्री विवेक शुक्ला उम्र लगभग 43 वर्ष पुत्र श्री राजेन्द्र कुमार शुक्ल निवासी कुल्ली खेड़ा अर्जुनगंज सुल्तानपुर रोड जनपद–लखनऊ
तारीख पेशी 03–11–2026
चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2026 के माह 11 के 03 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।
मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 26 के माह के दिवस को निकाली गयी।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस
(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
न्यायालय–श्रीमान अतिरिक्त मजिस्ट्रेट महोदय अयोध्या, जनपद–अयोध्या
वाद सं0–849/2024
क0 वाद सं0–2024042301000849
अर्न्तगत धारा–116 उ0प्र0ठ0सं0
राजितराम
बनाम
श्रीनाथ आदि
बनाम–1– श्रीनाथ पुत्र गंगा राम आयु लगभग 42 साल निवासी ग्राम तारापुर परगना पश्चिम राठ तहसील बीकापुर जनपद अयोध्या वर्तमान पता मौजा दलपतपुर उपरहार परगना अमसिन तहसील सदर जनपद–अयोध्या 2. आशा देवी पत्नी स्व0 हरीस कुमार निवासी ग्राम दलपतपुर उपरहार परगना अमसिन तहसील सदर जनपद–अयोध्या 3. संगीता पत्नी उमेश कुमार निवासी ग्राम दलपतपुर उपरहार परगना अमसिन तहसील सदर जनपद–अयोध्या 4. उमेश पुत्र राम सागर निवासी ग्राम दलपतपुर उपरहार परगना अमसिन तहसील सदर जनपद–अयोध्या 5. ग्राम सभा प्रधान मौजा दलपतपुर उपरहार परगना अमसिन तहसील सदर जनपद–अयोध्या 6. सरकार उ0प्र0 द्वारा कलेक्टर महोदय अयोध्या
तारीख पेशी 04–11–2026
चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2026 के माह 11 के 04 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।
मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 26 के माह के दिवस को निकाली गयी।
द0 हाकिम

लव अफेयर में टीचर की हत्या, स्कूल प्रबंधक गिरफ्तार

संवाददाता–देवरिया। गोरखपुर के झंगहा थाना क्षेत्र के खुरहुरी लोहार टोला की रहने वाली रानी 31 अक्टूबर की सुबह करीब 8:30 बजे स्कूल जाने के लिए घर से निकली थीं। परिवार को बताया था कि उस दिन उन्हें वेतन मिलना है। स्कूल से दोपहर करीब 3 बजे निकलने के बाद वह घर नहीं पहुंचीं। उसी शाम कन्हौली गांव के पास कार की डिग्गी से उनका शव झाड़ियों में मिला था।

शनिवार शाम करीब 7 बजे कन्हौली गांव के बाहर झाड़ियों के पास सफेद कार से आए लोगों ने डिग्गी से युवती का शव फेंका और भागने लगे। ग्रामीणों ने उन्हें देख लिया और करीब दो किलोमीटर तक कार का पीछा किया, लेकिन चालक तेज रफ्तार से भाग निकला। बाद में ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। बताया जा रहा है कि कार घटनास्थल से करीब छह किलोमीटर दूर रामलक्षन पुलिस चौकी के सामने से भी गुजरी थी। वहां पुलिसकर्मियों ने उसकी खुली डिग्गी देखी थी, लेकिन कार को रोका नहीं गया।

शव मिलने के बाद पुलिस ने महिला की पहचान के लिए उसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की। रविवार शाम करीब 6 बजे गांव के कुछ लोगों ने वाट्सऐप ग्रुप पर तस्वीर देखी और रानी के रूप में पहचान की। इसकी जानकारी परिजनों को दी गई। परिवार के लोग रामलक्षन पुलिस चौकी पहुंचे। रविवार शाम करीब 7 बजे उन्होंने शव की पहचान की। बेटी का शव देखकर मां गीता रोते–रोते बेहोश हो गईं। रानी के पिता सुभाष चंद्र विश्वकर्मा ने पुलिस को शिकायत दी। इसके आधार पर गोरखपुर जिले के मिझा बेल निवासी स्कूल प्रबंधक विजय निषाद के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया गया। सोमवार को पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। शव फेंकने में इस्तेमाल वैगनआर कार भी कब्जे में ली गई है। रुद्रपुर के कोतवाल कल्याण सिंह सागर ने बताया कि आरोपी से पूछताछ की जा रही है। शुरुआती जांच में प्रेम प्रसंग की बात सामने आई है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी सूर्यपाल पुत्र राम दयाल निवासी ग्राम विशुनपुर सारा थाना रौनाही जिला–अयोध्या का निवासी है, प्रार्थी की भाभी सुखराजी पत्नी स्व0 राम प्रसाद निवासी ग्राम विशुनपुर सारा थाना रौनाही जिला–अयोध्या की निवासनी थी, जो दिनांक–01.05.2011 को बिना किसी को कुछ बताये कहीं चली गयी, काफी खोज–बीन किया गया परन्तु आज तक उनका कोई पता कहीं नही चल सका। प्रार्थी प्रकाशन इसलिए करा रहा है कि वक्त जरूरत पर काम आ सके।

प्रार्थी
सूर्यपाल

अदालती नोटिस
(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज जू0डि0 सदर महोदय फैजाबाद जनपद–अयोध्या
वाद सं0–79/2022
शाह मोहम्मद आदि
बनाम
वीरेन्द्र कुमार आदि
बनाम–1– नरेन्द्र कुमार चतुर्वेदी पुत्र स्व0 लाल बहादुर चतुर्वेदी निवासी ग्राम भीखापुर परगना हवेली अवध तहसील सदर जनपद–अयोध्या
तारीख पेशी 11–12–2026
चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2026 के माह 12 के 11 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।
मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 26 के माह के दिवस को निकाली गयी।
द0 हाकिम

हस्ट्रीशीटर के पैर में लगी गोली, साथी समेत गिरफ्तार

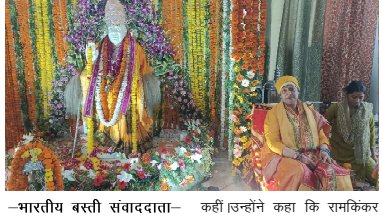


संवाददाता–कुशीनगर। रामकोला थाना क्षेत्र में सोमवार तड़के धर्मसमधा मंदिर के पास पुलिस और गोतस्करों के बीच मुठभेड़ हो गई। इसमें पैर में गोली लगने से हिस्ट्रीशीटर सदरे आलम घायल हो गया, जबकि उसके साथी अली खान को पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ लिया। पुलिस ने दोनों के कब्जे से गोवंश का एक बछड़ा, तस्करी में इस्तेमाल की जा रही बोलेरो, 315 बोर का तमंचा और कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, दो नवंबर की सुबह करीब 4रू30 बजे ध र्मसमधा मंदिर के पास चेकिंग के दौरान संदिग्ध बोलेरो को रोकने का प्रयास किया गया। इस दौरान आरोपियों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में सदरे आलम के पैर में गोली लग गई। इसके बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। घायल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया।

पकड़े गए सदरे आलम के खिलाफ करीब 13 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे लंबे समय से गोतस्करी कर रहे थे। पुलिस की सख्ती बढ़ने के बाद उन्होंने तस्करी का तरीका बदल दिया था। बोलेरो की बीच वाली और पीछे की सीट हटाकर उसमें गोवंशीय पशुओं को लादकर ले जाते थे, ताकि पुलिस की नजर से बच सकें।

कार्रवाई में स्वाट प्रभारी दीपक सिंह, पडरौना कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक ओमप्रकाश तिवारी और रामकोला थानाध्यक्ष स्वतंत्र कुमार सिंह की टीम शामिल रही। पुलिस दोनों आरोपियों के आपराधिक इतिहास और तस्करी के नेटवर्क की पड़ताल कर रही है।

रामकिंकर महाराज ने रामचरितमानस के गूढ़ रहस्यों को जन–जन तक पहुंचाया –मंदाकिनी रामकिंकर



–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। युग तुलसी परम पूज्य गुरुदेव भगवान रामकिंकर महाराज विश्वविख्यात आध्यात्मिक विभूति थे। उनका व्यक्तित्व अयोध्या और यहां की माटी के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने अध्यात्म को जिस गहराई, सरलता और सहजता के साथ जन–जन तक पहुंचाया, वह अद्वितीय है। अपने जीवन के करीब 60 वर्षों तक उन्होंने निरंतर आध्यात्मिक ज्ञान का प्रसार किया। यह बातें रामकिंकर महाराज की शिष्या मंदाकिनी रामकिंकर ने उनके 102वें प्राकट्य उत्सव के अवसर पर अपनी विलक्षण व्याख्या और प्रवचन शैली से रामचरितमानस के गूढ़ आध्यात्मिक रहस्यों को जनसामान्य के लिए सहज और सरल बनाया। उन्होंने मानस के माध्यम से शास्त्रों और पुराणों के सार को जिस तरह प्रस्तुत किया, उससे लोगों को उसके वास्तविक आध्यात्मिक मर्म को समझने का अवसर मिला।उन्होंने कहा कि रामकिंकर महाराज का प्राकट्य उत्सव केवल अयोध्यावासियों का ही नहीं, बल्कि देश–विदेश के आस्तिक और श्रद्धालु भक्तों के लिए भी हर्ष और उल्लास का अवसर है। उनके बताए आध्यात्मिक मार्ग और विचारों की विरासत आज भी लोगों का मार्गदर्शन कर रही है।रामकिंकर महाराज के 102वें प्राकट्य उत्सव पर अयोध्या स्थित उनकी समाधि स्थली पर धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। एक दिन पूर्व से ही जन्मोत्सव के कार्यक्रम शुरू हो गए हैं। प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार श्रद्धालु अपनी सामर्थ्य के अनुरूप भक्ति भाव से इस आयोजन में सहभागिता कर रहे हैं।

कहीं।उन्होंने कहा कि रामकिंकर महाराज ने कभी आश्रम निर्माण, चंदा संग्रह अथवा किसी प्रकार की भौतिक संपत्ति जुटाने को महत्व नहीं दिया। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन लोगों को आध्यात्मिक संपदा प्रदान करने में समर्पित कर दिया। सनातन धर्म और अध्यात्म जगत में उनका योगदान एक मजबूत स्तंभ के रूप में सदैव स्मरणीय रहेगा।

मंदाकिनी रामकिंकर ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस के रूप में संपूर्ण विश्व को अमूल्य निधि प्रदान की। इसके बाद रामकिंकर महाराज ने

ऐसी तैयारी करें कि दुनिया देखती रह जाए दीपोत्सव का वैभव -सीएम योगी



संवाददाता—अयोध्या। दीपोत्सव की भव्यता ऐसी हो कि पूरी दुनिया रामनगरी के वैभव को देखे। आयोजन में कहीं कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और व्यवस्थाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी तैयारियां तय समय में पूरी कर ली जाएं। सोमवार को दीपोत्सव की तैयारियों का जायजा लेने ग्राउंड जीरो पर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को इन निर्देशों के साथ आयोजन की भव्यता और व्यवस्थाओं को लेकर गंभीरता बरतने को कहा। मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर रामकथा पार्क के समीप बने हेलीपैड पर उतरा। यहां जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इसके बाद मुख्यमंत्री सीधे रामकथा पार्क पहुंचे। यहां उन्होंने दीपोत्सव के लिए तैयार किए जा रहे आयोजन स्थल और व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। अधिकारियों से अब तक हुए कार्यों और शेष तैयारियों की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने केवल अधिकारियों की बात सुनने तक खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि विभिन्न व्यवस्थाओं को मौके पर देखकर उनकी प्रगति परखी। जहां काम शेष थे, वहां समयबद्ध तरीके से उन्हें पूरा कराने के निर्देश दिए। सीएम अयोध्या में करीब ढाई घंटे तक रहे। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री का विशेष जोर इस बात पर रहा कि दीपोत्सव की भव्यता के साथ व्यवस्थाओं में भी कोई कमी न रहे। उन्होंने अधिकारियों से तैयारियों की प्रगति पूछी और शेष कार्यों को निर्धारित समयसीमा में पूरा करने को कहा। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और पर्यटकों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए घाटों, मार्गों और आयोजन स्थलों पर आवागमन की व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। दीपोत्सव में आने वाले मेहमानों व संतों की सुविधा में कोई कमी न रहे, इसका भी निर्देश दिया।

रामकथा पार्क का निरीक्षण करने के बाद मुख्यमंत्री राम की पैड़ी पहुंचे। यहां उन्होंने सरयू आरती घाट पर पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। घाटों पर आयोजन से जुड़ी व्यवस्थाओं और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए किए जा रहे इंतजामों को देखा। इसके बाद राम की पैड़ी पर तैयार किए जा रहे मुख्य मंच का निरीक्षण किया। मंच निर्माण की प्रगति और आयोजन के लिए की जा रही व्यवस्थाओं के बारे में अधिकारियों से जानकारी ली। इस दौरान जिम्मेदार संस्थाओं ने सीएम के समक्ष प्रजेंटेशन देकर दीप जलाने से लेकर सरयू आरती, लेजर शो, ड्रोन शो, आतिशबाजी आदि कार्यक्रमों की पूरी रूपरेखा प्रस्तुत की।

निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री दर्शन–पूजन के लिए रवाना हो गए। इस दौरान जिले के प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही, महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी, जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह, विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, रामचंद्र यादव, चंद्रभानु पासवान, अमित सिंह चौहान और अभय सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष राधेश्याम त्यागी, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अवधेश पांडेय बादल, सहकारी बैंक सभापति धर्मेंद्र प्रताप सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष संजीव सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

जाम से छुटकारा दिलाने के लिए डीआइजी की बैठक, इधर थमने लगे गाड़ियों के पहिये

संवाददाता—गोरखपुर। शहर को जाम से मुक्ति दिलाने और सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के संकल्प के साथ सोमवार को यातायात सुरक्षा माह–2026 की शुरुआत हुई, लेकिन पहले ही दिन यातायात व्यवस्था की परीक्षा में शहर की सड़कें बेबस नजर आईं।

पुलिस लाइन में यातायात माह की जिम्मेदारियों को लेकर पुलिसकर्मियों की ब्रीफिंग चल रही थी और दूसरी तरफ शहर के प्रमुख चौराहों पर वाहन जाम में फंसे रहे। असुरन चौराहा, मोहदीपुर, सिविल लाइन, बेतियाहाता, छात्रसंघ चौराहा और पैडलेगंज समेत कई इलाकों में वाहनों की लंबी कतार लगी रही। स्थिति यह हो गई कि छात्रसंघ चौराहे पर जाम खुलवाने के लिए डीआइजी डा. एस. चनप्पा को खुद सड़क पर उतरना पड़ा। जानकारी होने पर एसपी यातायात और सीओ यातायात भी मौके पर पहुंचे।

सोमवार को यातायात सुरक्षा माह के शुभारंभ के लिए पुलिस लाइन में कार्यक्रम आयोजित किया गया था। डीआइजी रेंज डा. एस. चनप्पा और एसएसपी डा. कौस्तुभ ने अभियान की शुरुआत की। कार्यक्रम के दौरान यातायात पुलिस के सिपाही और दारोगा भी पुलिस लाइंस में मौजूद थे। इसी दौरान शहर के अलग–अलग हिस्सों में जाम की स्थिति बिगड़ती चली गई।

प्रमुख चौराहों पर यातायात का दबाव बढ़ा तो वाहन चालकों को निकलने का रास्ता नहीं मिला। दोपहर से शुरू हुई परेशानी देर शाम तक बनी रही। छात्रसंघ चौराहे पर वाहनों की लंबी कतार लगने और आवागमन प्रभावित होने की जानकारी मिलने पर डीआइजी डा. एस. चनप्पा खुद सड़क पर उतर आए। उन्होंने मौके पर यातायात व्यवस्था संभालते हुए जाम खुलवाने का प्रयास किया। इसके बाद एसपी यातायात और सीओ यातायात भी मौके पर पहुंचे।

अधिकारियों ने वाहनों को व्यवस्थित तरीके से निकालने और आवागमन सामान्य कराने की कोशिश की। शहर के प्रमुख चौराहे पर वरिष्ठ अधिकारी को खुद सड़क पर उतरकर जाम खुलवाना पड़ा, जिससे यातायात व्यवस्था पर दबाव का अंदाजा लगाया जा सकता है। चारकोटक ओवरब्रिज के रास्ते आवागमन बंद होने के कारण कौवाबाग अंडरपास से लेकर असुरन चौक तक वाहनों का दबाव देर शाम तक बना रहा।

चारकोटक की ओर से आने–जाने वाले लोगों को वैकल्पिक रास्तों का सहारा लेना पड़ा, जिससे आसपास की सड़कों पर भी यातायात प्रभावित हुआ। कौवाबाग अंडरपास से लेकर जीएम कार्यालय रोड तक वाहन रेंगते नजर आए।

शिक्षकों ने मांगों को लेकर प्रदर्शन किया

संवाददाता—संतकबीरनगर। हीरालाल रामनिवास स्नातकोत्तर महाविद्यालय खलीलाबाद में सोमवार को 4रू30 बजे उत्तर प्रदेश विश्वविद्यालय महाविद्यालय शिक्षक महासंघ (फुफुक्टा) के आह्वान पर विभिन्न मांगों को लेकर शिक्षकों ने धरना–प्रदर्शन किया। इस अवसर पर एआईफुक्टा के पूर्व जोनल सेक्रेटरी प्रो. राजेश चन्द्र मिश्र ने कहा कि वर्तमान सरकार शिक्षकों के मुद्दों के प्रति असंवेदनशील बनी हुई है। सेवा काल 65 वर्ष किए जाने, शिक्षकों को पांच पीएचडी का इंक्रीमेंट देने तथा चिकित्सीय सुविधाओं का लाभ उपलब्ध कराने जैसी गंभीर मांगें पिछले दस वर्षों से लंबित हैं। इन्हीं मांगों को लेकर शिक्षक आंदोलन करने को मजबूर हैं। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय संबद्ध महाविद्यालय शिक्षक संघ (सुआक्टा) के अध्यक्ष डॉ. शशिकांत राव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव नजदीक हैं। यदि सरकार शिक्षक हितों में गंभीरता से निर्णय नहीं लेती है तो प्रदेश का शिक्षक समुदाय बड़े आंदोलन के लिए तैयार है। महाविद्यालय शिक्षक संघ के अध्यक्ष प्रो. अमित भारती ने बताया कि फुफुक्टा के आह्वान पर यह विरोध प्रदर्शन चार नवंबर तक महाविद्यालय में जारी रहेगा। इसके बाद पांच नवंबर को सभी शिक्षक अपनी मांगों को लेकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपेंगे। प्रदर्शन में महाविद्यालय के विभिन्न संकायों के शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

खिलाड़ियों ने 23 मेडल जीत कर बढ़ाया बस्ती जिले का मान



—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। लखनऊ में 31 अक्टूबर और 01 नवम्बर को आयोजित प्रदेश स्तरीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में बस्ती के सात खिलाड़ियों ने जीत डंका बजाया। ये सभी राष्ट्रीय खिलाड़ी नेशनल चैंपियनशिप में अपनी जगह बनाने में कामयाब रहे। बस्ती जनपद ने कड़े मुकाबले में कुल 23 मेडल प्राप्त कर उत्तर प्रदेश में एक नया इतिहास रच दिया। उक्त जानकारी देते हुए उत्तर प्रदेश मास्टर्स एथलेटिक्स एसोसिएशन के प्रांतीय उपाध्यक्ष राना दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि 40 आयु वर्ग में अनिल यादव ने ऊंची कूद में स्वर्ण पदक तथा हाफ स्टेप जंप में रजत पदक हासिल किया। 45 आयु वर्ग ने सुनील सिंह ने गोला छेपण और भाला छेपण में स्वर्ण पदक तथा डिस्कस थ्रो में रजत पदक प्राप्त किया। 50 आयु वर्ग में चंद्र भूषण सिंह 400 मीटर हैडल में गोल्ड मेडल तथा 100 मीटर हैडल में सिल्वर मेडल जीतने में सफल रहे। इसी प्रकार 55 आयु वर्ग में राजेश कुमार सिंह गोला छेपण और डिस्कस थ्रो में कांस्य पदक जीत कर अपनी जगह बनाई। 35 आयु वर्ग में दुर्गेश पाल ने हाई जम्प में राजत पदक तथा 40 आयु वर्ग में रज्जब अली ने हैमर थ्रो में रजत तथा भाला छेपण और डिस्कस थ्रो में कांस्य पदक जीतने में सफलता पाई। 75 आयु वर्ग में राम दयाल यादव मास्टर साहब ने रोमांचक मुकाबले में हैमर थ्रो में रजत पदक जीत कर युवा पीढ़ी को सोचने पर मजबूर कर दिया। श्री राना ने सभी विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि हमें पूरा विश्वास है कि अगले वर्ष जनवरी के अंतिम सप्ताह में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप में यहां के खिलाड़ी मेडल्स की झड़ी लगा कर महर्षि वशिष्ठ की पावन धरा का सम्मान पूरे भारत में बढ़ाएंगे।

दोस्तों के घर रात में रुका युवक, सुबह अस्पताल में मिली मौत की खबर



संवाददाता—गोरखपुर। शाहपुर इलाके में दोस्तों के साथ रात रुके 18 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। सोमवार सुबह उसके दोस्त ने फोन कर स्वजन को बताया कि अजीत सीढ़ी से गिर गया है और उसे सदर अस्पताल पहुंचना को कहा। मां अस्पताल पहुंची तो बेटे की मौत हो चुकी थी। मृतक की मां ने दोस्तों पर हत्या करने का आरोप लगाया है।

बिहार के गोपालगंज निवासी विजय मिश्रा शाहपुर इलाके के सरस्वतीपुरम कालोनी, लेन नंबर एक में किराये पर रहते है। वह मजदूरी करते है, जबकि उनकी पत्नी रेनू मिश्रा घरों में खाना बनाने और बर्तन साफ करने का काम करती हैं। उनका 18 वर्षीय बेटा अजीत मिश्रा जेल बाईपास रोड स्थित एक दुकान पर काम करता था।

रेनू मिश्रा के मुताबिक, रविवार दोपहर बाद अजीत बिछिया हनुमान मंदिर के पास रहने वाले अपने दोस्त के घर गया था। वहां रात में दोस्तों के साथ रहा और खाना–पीना भी किया। सोमवार सुबह पांच बजे दोस्त का फोन आया कि अजीत सीढ़ी से गिर गया है। उसे सदर अस्पताल बुलाया गया। वहां पहुंचने पर अजीत की मौत की जानकारी हुई।

मां का आरोप है कि दोस्तों ने ही उनके बेटे की हत्या की है। उन्होंने बताया कि बेटे के दोस्त घर आते–जाते थे और रविवार को फोन कर उसे बुलाया था। घटना की सूचना शाहपुर पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच कर रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

भूमाफिया को जेल भेजो, जनता दर्शन में जमीन कब्जे की शिकायत पर सीएम योगी का आदेश

संवाददाता—गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में सोमवार को जनता दर्शन में फरियादियों की समस्या सुनी और समय से उनके निस्तारण के निर्देश दिए। गोरखनाथ मंदिर परिसर में सीएम योगी ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक पहुंचकर मुख्यमंत्री ने उनकी समस्या सुनी और समाधान का भरोसा दिया। मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और समयबद्ध और पारदर्शी निस्तारण कराएं।जमीन पर कब्जे की शिकायतों पर उन्होंने अधिकारियों को भूमाफिया को जेल भेजने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि कब्जामुक्त कराने के साथ जबरन कब्जा करने वालों को कानूनी सबक सिखाएं। इसमें कोताही बर्दाश्त नहीं होगी।

इससे पहले एक कार्यक्रम में सीएम योगी ने समाजवादी पार्टी पर माफिया और जमीन कब्जाने वालों को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए कहा कि सपा की प्रवृत्ति गरीबों और व्यापारियों की जमीन पर कब्जा



करने की रही है। सपा के लोगों की फितरत नहीं बदली है, जब भी मौका मिलता है जमीन कब्जाने निकल पड़ते हैं। सीएम ने रविवार को बिछिया पुल के पास 495 करोड़ रुपये की गोड्डोइया नाला फेज–1 परियोजना के लोकार्पण और 880 करोड़ रुपये की फेज–2 व सीवरेज परियोजनाओं के शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे।

सपा सरकार पर हमला बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि दस वर्ष पहले गोरखपुर में चारों ओर जाम, गंदगी, जलभराव और माफिया का आतंक था। जेल बाईपास रोड पर एक प्रतिष्ठित परिवार ने माफिया के डर से रातोंरात अपनी दोनों हवेलियां खुद गिरा दी थीं, ताकि कम से कम जमीन उनके कब्जे में रह सके। इसी तरह आर्यनगर में भी एक माफिया ने प्रतिष्ठित परिवार की हवेली कब्जाने का प्रयास किया था। तब बतौर सांसद वह खुद मौके पर पहुंचे थे।

योगी ने कहा कि आज किसी गरीब, व्यापारी या सम्मानित नागरिक की संपत्ति पर कब्जा करने से पहले अपराधी दस बार सोचेंगे। साल 2017 के पहले बेटियां असुरक्षित थीं और व्यापारी भय के माहौल में कारोबार करते थे। सुरक्षा न होने से निवेश भी नहीं आता था। सरकार ने अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है। बेटियों से छेड़खानी या युवाओं के जीवन से खिलवाड़ करने वालों को जेल या जहन्नुम में से एक रास्ता चुनना होगा।

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन (आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)

मूलवाद संख्या 138/1997

न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) एफ0टी0सी स्थान–सिद्धार्थनगर जिला– सिद्धार्थनगर

अब्दुल मजीद

बनाम

सीताराम

1. सीताराम उम्र 55 वर्ष (मृतक) 2. रामजी उम्र 60 वर्ष पुत्रगण हंसराज साकिन एकला शुक्ला तप्पा मगहर पश्चिम तहसील खलीलाबाद अब मेहदावल जनपद बस्ती अब संतकबीरनगर 1/1 संजय शुक्ल 1/2 अशोक कुमार शुक्ल पुत्रगण सीताराम साकिन एकला शुक्ला तप्पा मगहर पश्चिम तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर 3. श्रीमती शैलवाला उम्र लगभग 65 वर्ष पत्नी श्रीचन्द्र प्रकाश श्रीवास्तव निवासी ग्राम सेमरनार तप्पा थरौली परगना व तहसील नौगढ़ जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 27–11–2025

प्रतिवादी ने आपके विरूद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक 27.11.2025 को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम अरूण पाठक (Arun Pathak) ग्राम– पल्हनापुर पोस्ट– दिवाकरपुर थाना– पैकोलिया तहसील हर्रैया जनपद बस्ती का निवासी हूं। मेरी पुत्री श्रिद्धि पाठक (Sriddhi Pathak) है। जुटिवश आधारकार्ड में उसका नाम सिद्धि पाठक हो गया है जो गलत है। उसे सुधारकर श्रिद्धि पाठक (Sriddhi Pathak) कराया जाय।

बीजेपी विधायक ने ओवरब्रिज पर सुरक्षा बढ़ाने और 'शाश्वत राय सेतु' नाम रखने की डीएम से की मांग



संवाददाता—संतकबीरनगर। खलीलाबाद के विधायक अंकुर राज तिवारी के साथ राष्ट्र धर्म सेवा संकल्प फाउंडेशन के अध्यक्ष सौरभ जायसवाल सोमवार को कलेक्ट्रेट में डीएम को ज्ञापन सौंपे। अध्यक्ष ने कहा कि खलीलाबाद शहर के मुखलिसपुर ओवरब्रिज पर अक्सर दुर्घटनाएं हो रही है। लोगों की जिंदगी चली जा रही है। इस पर प्रभावी नियंत्रण के लिए इस पुल पर मजबूत एवं ऊंची सुरक्षा जाली, निर्धारित दूरी पर स्पीड ब्रेकर लगाया जाए। रात में पर्याप्त रोशनी के लिए उच्च गुणवत्ता की लाइटिंग व्यवस्था की जाए। इस पुल के आसपास सीसी कैमरा लगाया जाए। जिससे दुर्घटनाओं की नियमित निगरानी की जा सके। कुछ दिन पूर्व यहां पर छात्र शाश्वत राय के हादसे में मौत हो गई थीं। इस पुल का नाम शाश्वत राय सेतु रखने की मांग की है। इस पर खलीलाबाद के विधायक ने कहा कि वह इस पर प्रभावी पहल करेंगे। जिससे आगे किसी और की जिंदगी खतरे में न पड़े। आम जनमानस की सुरक्षा सर्वोपरी है। वह शुरू से जनहित में अनेक कार्य करते रहे। सुरक्षा के इस मामले में भी संवेदनशील होकर पहल करेंगे। मृतक छात्र के स्वजन के प्रति उनकी गहरी सहानुभूति है। जो भी समस्याएं हैं,प्रशासन व संबंधित विभाग के माध्यम से वह दूर करने का प्रयास करेंगे। जिससे इस पुल से लोग दिन हो या रात, सुरक्षित आवागमन कर सकें। इस पर विशेषज्ञों के साथ उनके कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा

(आर्डर 22, कायदा 4)

न्यायालय–श्रीमान तृतीय अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती

जिला–बस्ती

वाद सं0–236/2015

रजनीश कुमार आदि

बनाम

जगदीश प्रसाद आदि

1/1 गायत्री देवी पत्नी जगदीश प्रसाद (मृतक) 1/2 गौरीशंकर 1/3 गौरीदत्त पुत्रगण जगदीश प्रसाद 2/1 विनोद कुमार 2/2 विनय कुमार 2/3 विजय कुमार 2/4 विपिन कुमार पुत्रगण स्व0 हरिश्चन्द्र 2/5 सूर्यमुखी पत्नी प्रदीप कुमार 2/6 प्रशान्त कुमार 2/7 विक्रान्त कुमार 2/8 विकास कुमार पुत्रगण स्व0 प्रदीप कुमार निवासीगण ग्राम भीटा तप्पा हरदी परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 15–12–2026

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुददाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुददई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुददाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 15 माह 12 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा। बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

—द0 हाकिम

चोरी की वारदातों में फरार दो आरोपी गिरफ्तार 6 मोबाइल, एसेसरीज और नकदी बरामद

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। गोल्हौरा थाना पुलिस, जनपदीय एंटी थेफ्ट टीम और सर्विलांस की संयुक्त टीम ने चोरी की दो घटनाओं का खुलासा किया। पुलिस ने सोमवार को दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनके पास से छह मोबाइल फोन, एसेसरीज और 8,680 रुपये नकद मिले।



गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सलमान पुत्र महबूब, निवासी जमलाजोत, थाना गोल्हौरा और हसामुद्दीन पुत्र हमीउद्दीन, निवासी हाजीजोत, थाना कपिलवस्तु के रूप में हुई है।

पुलिस के मुताबिक, 21–22 अक्टूबर की रात बहादुरगंज स्थित जेके मोबाइल दुकान में चोरी हुई थी। घटना की जांच के लिए पुलिस टीमें संदिग्धों की तलाश और रात में गश्त कर रही थीं। इसी दौरान कस्बा जिगनिहवा में मुखबिर ने सूचना दी कि दो संदिग्ध अतरसुन नानकार की तरफ से आ रहे हैं। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दोनों को रोका और पूछताछ के बाद तलाशी ली। उनके पास से छह मोबाइल फोन, एसेसरीज और 8,680 रुपये नकद मिले। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने अपने साथी आसिफ पुत्र अब्दुल कासिम, निवासी सेमरा, थाना कठेला समय माता के साथ जेके मोबाइल दुकान से मोबाइल चोरी किए थे। उन्होंने बताया कि वे चोरी के मोबाइल बेचने नेपाल जा रहे थे। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने नकदी के बारे में बताया कि उन्होंने 16–17 अक्टूबर की रात ग्राम वालेजिनवा, थाना गोल्हौरा में एक घर में चोरी की थी। पुलिस ने बरामदगी के आधार पर संबंधित मुकदमे में बीएनएस की धारा 317(2) जोड़ी। जरूरी कार्रवाई के बाद दोनों आरोपियों को न्यायालय भेज दिया गया। यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देश, अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के निर्देशन और क्षेत्राधिकारी इटवा प्रवीण प्रकाश की निगरानी में हुई। टीम का नेतृत्व प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार मिश्रा ने किया। इसमें गोल्हौरा थाने और जनपदीय एंटी थेफ्ट टीम के पुलिसकर्मी शामिल थे।

शिक्षकों को अंगवस्त्र भेंटकर किया सम्मानित



संवाददाता—सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र के स्वामी विवेकानंद शिक्षा मंदिर महदेवा नानकार और सरस्वती शिशु मंदिर खुनवा बाजार में सोमवार, 2 नवंबर 2026 को शिक्षकों के सम्मान में समारोह हुआ। कार्यक्रम में शिक्षकों को अंगवस्त्र भेंट किए गए।

समाजसेवी श्याम जायसवाल ने विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने शिक्षा, अनुशासन और संस्कार के महत्व पर बात की। साथ ही लक्ष्य तय कर लगातार मेहनत करने और गुरुजनों के मार्गदर्शन पर चलने को कहा। जायसवाल ने कहा कि गुरु पाठ्यक्रम की शिक्षा देने के साथ विद्यार्थियों का व्यक्तित्व बनाते हैं। शिक्षक बेहतर समाज और सशक्त राष्ट्र की नींव तैयार करते हैं और समाज को दिशा देते हैं। उन्होंने कहा कि गुरुजनों का सम्मान करना हर व्यक्ति की नैतिक जिम्मेदारी है। शिक्षा के साथ संस्कार भी जरूरी हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से गुरुजनों का सम्मान करने और समाज व राष्ट्र के विकास में योगदान देने की अपील की। जायसवाल ने कार्यक्रम में मौजूद गुरुजनों, शिक्षकों, विद्यालय परिवार और विद्यार्थियों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि शिक्षा, संस्कार और शिक्षक सम्मान के प्रति उनका समर्पण आगे भी जारी रहेगा।

जोगिया कोतवाली में त्योहारों को लेकर शांति बैठक हुई

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। जोगिया क्षेत्र में त्योहारों को शांतिपूर्वक मनाने के लिए कोतवाली जोगिया उदयपुर में शांति कमेटी की बैठक हुई। बैठक कोतवाली निरीक्षक अरुण कुमार के नेतृत्व में हुई। इसमें क्षेत्र के नागरिक और ग्राम प्रधान शामिल हुए। निरीक्षक अरुण कुमार ने लोगों को त्योहारों के लिए जारी दिशा–निर्देशों की जानकारी दी। उन्होंने किसी भी अप्रिय घटना की सूचना तुरंत पुलिस को देने को कहा। अरुण कुमार ने कहा कि अराजकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी और कानून से खिलवाड़ करने वालों से निपटने के लिए पुलिस तैयार है। बैठक में उपनिरीक्षक रेवती रमन यादव, कांस्टेबल सुधांशु, कांस्टेबल अंकुर और ग्राम प्रधान अनिल जायसवाल, प्रभु दयाल यादव, सुधाकर मिश्रा व चंद्रमणि पांडे सहित कई लोग मौजूद रहे।

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह

संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–

चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट

अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय–

आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय–

इलाहीबाग गोरखपुर।

मो0 9336715406, 8400925463

ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com

dainikbhartiyabasti@gmail.com

30 सूत्री मांगों के समर्थन में शिक्षकों ने बांधी काली पट्टी

संवाददाता—गोरखपुर। उत्तर प्रदेश विश्वविद्यालय महाविद्यालय शिक्षक महासंघ के आह्वान पर हुआ प्रदर्शन शिक्षकों ने लंबित मांगों के शीघ्र निस्तारण की मांग कीगोरखपुर। उत्तर प्रदेश विश्वविद्यालय– महाविद्यालय शिक्षक महासंघ (फुफुक्टा) के आह्वान पर सोमवार को एमजी पीजी कॉलेज के शिक्षकों ने 30 सूत्री मांगों के समर्थन में काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया। शिक्षकों ने प्रदर्शन के दौरान कहा कि उनकी मांगें लंबे समय से लंबित हैं। समाधान में देरी से शिक्षकों में असंतोष बढ़ रहा है। शिक्षकों ने कहा कि मांगों की अनदेखी उचित नहीं है। इस दौरान प्रो. नमिता कुमार, प्रो. आलोक श्रीवास्तव, प्रो. सीपी सिंह, डॉ. रविन्द्रनाथ शुक्ला, कॉलेज के उपाध्यक्ष विकास सिंह, डॉ. विशाल गुप्ता, डॉ. शैलेन्द्र कुमार, डॉ. शैलेश वर्मा, रणधीर कुमार, डॉ. मनोज श्रीवास्तव, डॉ. अजय श्रीवास्तव, डॉ. अमित राय, डॉ. आकाश पांडेय, डॉ. मधुलिका श्रीवास्तव, महासंघ के महामंत्री डॉ. बृजेश कुमार गुप्ता और डॉ. संतोष त्रिपाठी आदि शिक्षक मौजूद रहे।

25 हजार का इनामी गैंगस्टर गिरफ्तार

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। गोल्हौरा थाना क्षेत्र में गैंगस्टर एक्ट के मामले में फरार चल रहे 25 हजार रुपये के इनामी सतीश गौड़ को सोमवार सुबह गिरफ्तार किया गया। एसओजी, सर्विलांस और गोल्हौरा पुलिस की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की। सतीश गौड़, शिवदीन गौड़ का बेटा है और गोल्हौरा का रहने वाला है। पुलिस ने उसे सोमवार सुबह करीब 7:45 बजे इटवा–बांसी मार्ग पर ग्राम तिवारीपुर स्थित शिव मंदिर के पास से पकड़ा। जरूरी कार्रवाई के बाद उसे न्यायालय भेज दिया गया। पुलिस के मुताबिक, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। कार्रवाई अपर पुलिस अधीक्षक के पर्यवेक्षण और सहायक पुलिस अधीक्षक एवं क्षेत्राधिकारी सदर विश्वजीत सौरयान के निर्देशन में हुई। टीम में एसओजी प्रभारी निरीक्षक मिथिलेश कुमार राय और गोल्हौरा थाना प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार मिश्र शामिल थे।

पुलिस के अनुसार, 11 अप्रैल 2025 को सतीश गौड़ ने अपने चार साथियों के साथ गोल्हौरा थाना क्षेत्र में स्वर्ण व्यवसायी प्रभंजन कुमार की रेकी कर लूट की योजना बनाई थी। लूट के दौरान विरोध करने पर व्यवसायी को गोली मारी गई, जिससे उनकी मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने 12 और 13 अप्रैल 2025 की रात मुठभेड़ के दौरान सतीश गौड़ समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया था। बाद में दो अन्य आरोपी भी पकड़े गए थे। पुलिस ने सतीश की आपराधिक गतिविधियों के मद्देनजर गोल्हौरा थाने में उसके खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत केस दर्ज किया था। इस मामले में फरार रहने पर उस पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

गिरफ्तारी करने वाली टीम में एसओजी प्रभारी निरीक्षक मिथिलेश कुमार राय, थाना प्रभारी संजय कुमार मिश्र और सर्विलांस सेल प्रभारी उपनिरीक्षक शशिकांत कुमार शामिल थे। टीम में एसओजी, सर्विलांस और गोल्हौरा थाने के पुलिसकर्मी भी थे।